पटना ●मंगलवार, 28 जनवरी 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 6 , अंकः21 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR
BNM
to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र
RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

गणतंत्र दिवस 3 www. bordernewsmirror.com क्या सारा अली खान को डेट... 7

वक्फ संशोधन विधेयक : जेपीसी में सरकार की ओर से पेश संशोधनों में 14 बदलावों को मंजूरी

एजेंसी। नई दिल्ली

संसद की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) ने सोमवार को वक्फ संशोधन विधेयक से जुड़े संशोधनों पर खंडवार चर्चा की और कुल 14 बदलावों को संस्तुति प्रदान की। 1995 के वक्फ अधिनियम में सरकार की ओर से कुल 44 संशोधनों का प्रस्ताव था। बैठक में इन संशोधनों में बदलाव किए जाने पर चर्चा की गई। विपक्ष की ओर से दिए गए सभी संशोधन वोटिंग के बाद अस्वीकृत कर दिए गए। संयुक्त संसदीय समिति की बैठक के बाद समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने पत्रकारों से कहा कि 44 संशोधनों पर चर्चा की गई। छह महीने तक चर्चा के बाद हमने सभी सदस्यों से संशोधन मांगे थे। यह हमारी अंतिम बैठक थी, इसलिए बहुमत के आधार पर समिति ने 14 संशोधनों को स्वीकार किया। विपक्ष ने भी संशोधन सुझाए थे। हमने उनमें से प्रत्येक संशोधन को आगे बढ़ाया और उस पर मतदान हुआ लेकिन उनके समर्थन में 10 और विरोध में 16 वोट पड़े। इस कारण उसे मंजूर नहीं किया गया। वक्फ संशोधन विधेयक पर जेपीसी को संसद के बजट सत्र के दौरान अपनी रिपोर्ट पेश करनी है। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान जेपीसी का कार्यकाल बढ़ा दिया गया था। समिति की सदस्य भाजपा नेत्री अपराजिता सारंगी ने कहा कि बैठक की कार्यवाही लोकतांत्रिक ढंग से हुई। सभी को अपना पक्ष रखने की अनुमति दी गई। कल संशोधित रूप में विधेयक सदस्यों के बीच वितरित किया जाएगा। 29 जनवरी (जनवरी) को समिति विधेयक को अपनाने पर चर्चा के लिए फिर से बैठक करेगी। उधर, विपक्ष ने बैठक के बाद आरोप लगाया कि खंडवार चर्चा की बजाय समिति में केवल संशोधनों पर मतदान किया गया। विपक्षी नेताओं ने समिति की आज की कार्यवाही को हास्यास्पद बताया और कहा कि यह लोकतंत्र का काला दिन है। तृणमूल सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा कि हमें चर्चा के लिए समय नहीं दिया गया। किसी भी चर्चा या स्पष्टीकरण के बिना बदलावों पर वोटिंग की गई। पूरी प्रक्रिया को वोटिंग के जरिये हराया गया। सभी प्रक्रियाओं को दरकिनार कर दिया गया और अध्यक्ष ने विधेयक में मामूली बदलाव कर इसे आगे बढ़ा दिया, कोई चर्चा नहीं हुई। जबकि जेपीसी के गठन के बाद से हितधारकों को बुलाकर इन पर चर्चा की गई है। 95-98 प्रतिशत हितधारकों ने विधेयक का विरोध किया है। द्रमुक नेता ए राजा ने कहा कि जेपीसी की आज की बैठक में खंड दर खंड विचार होना था। हमने इस बात का मुद्दा उठाया कि दस्तावेजों के अभाव में ऐसा कैसे संभव है। समिति ने लखनऊ, पटना, कोलकाता का दौरा किया। इसमें हितधारकों ने अपने विचार रखे। उससे जुड़े दस्तावेज हमें नहीं मिले हैं। अध्यक्ष ने निर्देश दिया कि सभी दस्तावेजों को सात दिनों के भीतर सदस्यों तक पहुंचाया जाना चाहिए और सात दिन हो गए हैं। शिवसेना (यूबीटी) सांसद अरविंद सावंत ने कहा कि विपक्ष अपनी ओर से दिए संशोधनों पर चर्चा चाहता था। हमने संशोधन किसी कारण से दिए थे। उन पर विचार होना चाहिए था। अब हमें कहा गया है कि अंतिम ड्राफ्ट रिपोर्ट 29 जनवरी को दी जाएगी। सपा सांसद मोहिब्बुल्लाह नदवी ने कहा कि जेपीसी की बैठक में देश के अल्पसंख्यकों के साथ मजाक हुआ है। यह वक्फ बोर्ड को लूटने की एक प्रक्रिया है। संसदीय प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया था।

अमृतसर में आंबेडकर की मूर्ति तोड़ने पर बवाल, कांग्रेस ने बताया संविधान पर हमला

पंजाब के जरिये भारत के खिलाफ प्रॉक्सी वार छेड़ रहा पाकिस्तानः रंधावा

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस ने कहा है कि अमृतसर में कल बाबा साहेब आंबेडकर की मूर्ति पर जो हमला हुआ है, वह हमला सिर्फ एक मूर्ति पर नहीं बल्कि उनकी विचारधारा और हमारे संविधान पर हमला है। पार्टी ने कहा है कि पंजाब की मौजूदा आम आदमी पार्टी (आआपा) सरकार वहां पर आतंकी गतिविधियों में शामिल तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करने की बजाय देश की एकता और अखंडता को खतरे में डाल रही है। इसलिए दिल्ली विधानसभा चुनाव में यहां के लोगों को बहुत सोच विचारकर अपने लोकतांत्रिक अधिकारों (मतदान) का प्रयोग करने की जरूरत है। कांग्रेस के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अजय माकन ने आज यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अमृतसर में बाबा साहेब की मूर्ति को खंडित करने का प्रयास महज एक घटना नहीं है, बल्कि इसकी पूरी कड़ी है। माकन ने पंजाब के पूर्व डीजीपी केपीएस गिल की 2 फरवरी 2017 की उस टिप्पणी को उद्धृत किया, जिसमें गिल ने कहा था कि अगर पंजाब में आआपा की सरकार आएगी तो आतंकवाद और उग्रवादियों को बढ़ावा मिलेगा। माकन ने कहा कि आज यह बात अब सच साबित हो रही है। अमृतसर में आंबेडकर की प्रतिमा से तोड़-फोड़ की घटना को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आआपा और केजरीवाल हमेशा से ही बाबा साहेब और उनके संविधान का अपमान करते आए हैं। पंजाब हो या दिल्ली, इनकी संविधान विरोधी सोच ने हर बार लोगों की भावनाओं को आहत किया है। इसलिए केजरीवाल और आम आदमी पार्टी को इस पाप के लिए पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए।

नशे में धुत हेडमास्टर साहब गणतंत्र दिवस पर झंडा फहराने पहुंचे

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में एक सरकारी स्कूल के प्रधानाध्यापक को गणतंत्र दिवस के मौके पर शराब के नशे में धुत होकर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि मीनापुर इलाके के धरमपुर पूर्वी स्थित सरकारी मिडिल स्कूल के प्रधानाध्यापक संजय कुमार सिंह नशे की हालत में स्कूल पहुंचे थे। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना मीनापुर के विधायक मुन्ना यादव को दी, जिन्होंने तत्काल पुलिस को सूचित किया। रामपुरहारी थाने के प्रभारी सुजीत कुमार ने बताया कि शिकायत मिलने पर पुलिस की एक टीम तुरंत स्कूल पहुंची और प्रधानाध्यापक का ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट किया, जिसमें उनके शराब पीने की पुष्टि हुई।

ममता कुलकर्णी के संन्यास पर बोले बाबा रामदेव- किसी को भी महामंडलेश्वर बना दे रहे

देहरादून। योग गुरु बाबा रामदेव ने पूर्व फिल्म अभिनेत्री ममता कुलकर्णी को महामंडलेश्वर बनाए जाने पर आपत्ति व्यक्त की है। इसके साथ ही महाकुंभ के नाम पर रील्स के जरिए फैलाई जा रही फूहड़ता पर नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने कहा है कि यह ठीक नहीं है। साथ ही उन्होंने कहा है कि एक दिन में कोई संत नहीं बन सकता है। इसमें सालों की साधना की जरूरत होती है। साथ ही उन्होंने अभिनेत्री रहीं ममता कुलकर्णी के महामंडलेश्वर बनने पर भी प्रतिक्रिया दी है। पत्रकारों से बात बात करते हुए बाबा रामदेव ने कहा, कि कुछ महामंडलेश्वर बन गए। किसी के भी नाम के आगे बाबा जोड़ देना। किसी भी प्रकार के ओछी हरकतों को, रील्स को कुंभ के नाम पर लोगों तक पहुंचाना ठीक नहीं है। जब सवाल किया गया है कि हाल ही में एक अभिनेत्री महामंडलेश्वर बनी हैं, तो इसपर बाबा रामदेव ने कहा, एक दिन में कोई संतत्व को उपलब्ध नहीं हो सकता। उसके लिए वर्षों की साधना लगती है। ...हम लोगों को इस साधुता को पाने में 50-50 वर्षों का तप लगा है। इसको संतत्व कहते हैं। साधु होना बड़ी बात है। महामंडलेश्वर होना तो बहुत बड़ा तत्व है।

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

MUNSHI SINGH COLLEGE
Motihari, East Champaran (Bihar)
A Constituent P.G. Unit of B.R. Ambedkar Bihar University, Muzaffarpur
Official website: mscollege.net
Email: mscollege.singh1@gmail.com
HIGHLIGHTS:
- Faculties of Arts, Science & Commerce ✦ M.S. Law College in the Campus
- Vocational Courses in IMB, BBA & BCA
- Add on courses in Communicative English & Fish and Fisheries Product
- UG & PG Courses in regular mode : Science Faculty: Physics, Chemistry, Maths, Zoology, Botany. Arts Faculty : Hindi, English, Pol. Science, History, Economics, Psychology, Philosophy. Commerce Faculty: B.Com & M. Com Law : Three Year LLB course.
- Plus Two courses in Arts, Science & Commerce.
- Hub of Distance Mode Learning with Study Centres of IGNOU, MANUU(Hyderabad) & Nalanda Open University.
- Highly qualified, motivated, well-published & research-oriented teachers.
- Strong units of NCC & NSS.
- ICT enabled Smart classes, Language Lab, ICT Lab, Conference Hall.
- Regular conduct of National/International Seminars, Webinars, Conferences, Guest Lectures, Talks. ✦ Rich Library
- Declared Centre of Excellence by the State Government
- Second college of the university to go for NAAC first cycle & First college of the university to go for NAAC 2nd cycle.
- Separate Building for Vocational courses.
- Women's Hostel funded by the UGC constructed.
- World class Basket Ball Arena.
- Multi-Purpose Hall & Athletics Track under Khelo India Project of the Central Government (proposed).
- Focus on Technology based learning.
- Co-curricular & Extra-curricular activities encouraged.
- Career Counselling, Campuses organized.
- Functional Internal Committee as per UGC guidelines.
- Functional & Vibrant IQAC.

Prof. (Dr.) Mrigendra Kumar
(PRINCIPAL)

चम्पारण का एकमात्र संस्थान
सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मां कश्चिद्दुःखभाग्भवेत् ।।
भारतीय लोकतंत्र के महापर्व गणतंत्र दिवस की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं।
D. Pharm B. Pharm
Pharmacy Council of India
बिहार सरकार स्वास्थ्य विभाग एवं बिहार स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त
सीकरीया फार्मेसी कॉलेज
Course:
* ANM • Lab Technician * OT Assistant • Dresser
Qualification : Inter Pass
नामांकन चालू है
बिहार स्टूडेन्ट क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत लोन की गारंटी
यमुना कुमार सीकारीया
संस्थापक
मोदी मिमेन्टो संग्रहालय
शिक्षाविद, समाजसेवी व प्रसिद्ध)
उद्योगपति राधा नगर, मोतिहारी।
पता : राधा नगर नकछेद टोला, मोतिहारी, पूर्वी चम्पारण
Mob.- 9473461692, 9122709641

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
LAXMI NARAYAN DUBEY COLLEGE, MOTIHARI
Accredited by NAAC Grade (B)
(A post graduate Constituent unit of B.R.A. Bihar University, Muzaffarpur)

KEY HIGHLIGHTS
1. Highly Qualified experienced and dedicated Faculty members.
2. Enriched Library.
3. Well Equipped Lab of Physics, Chemistry, Botany, Zoology, Psychology and Geography.
4. A Computer lab with internet connection.
5. National Service Scheme (NSS)6. National Cadet Corps (NCC)
7. Placement Cell. 8. Wi-Fi Campus.
9. Financial assistance to deserving Students.
10. Smart Class Room.
11. Sports Facilities.
12. E-Library Facilities.
13. Canteen Facilities.
14. Anti.Ragging cell.
15. Modern Gym.
16. Seminar Hall.
17. Recording Room.
18. Language Lab.

P.G. in
1. Physics
2. Chemistry
3. Political Science
4. History
5. Economics
6. Hindi
7. Geography

COURSES OFFERED :-
Hons. Course in Physics, Chemistry, Mathematics, Zoology, Botany, History, Political Science, Psychology, Hindi, English, Urdu, Geography, Economics, Philosophy & Pass Course (B.A. & B.SC), BCA (Bachelor in Computer Application), B.B.A, B.ED Department.

Prof.
Dr. Rajesh Kumar Sinha
(PRINCIPAL)

संक्षिप्त समाचार

हरसिद्धि पुलिस ने चोरी की सूचना पर चार बोलेरो किया बरामद

गाड़ियो के कागजात की हो रही है जांच

बीएनएम। मोतिहारी। हरसिद्धि थाना क्षेत्र के उत्तरी कनछेदवा से पुलिस ने रविवार की रात पांच बोलोरो गाड़ी को बरामद कर थाना लाई है। बरामद बोलोरो गाड़ी दो व्यक्ति के दरवाजे से पुलिस ने बरामद की है। बताया जाता है कि पुलिस को सूचना मिली कि उत्तरी कनछेदवा में चोरी के बोलोरो गाड़ी रखी हुई है। सूचना पर थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा पुलिस बलों के साथ छापेमारी कर चार गाड़ी को बरामद किया है। बरामद गाड़ियों के कागजात का सत्यापन पुलिस कर रही है। बरामद गाड़ियों में ज्यादा पर व्यवसायिक नंबर अंकित है। थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने बताया कि गाड़ी मालिकों से गाड़ी के कागजात की मांग की गई है। कागजात का सत्यापन कराने के बाद ही पता चल पायेगा।

फंदे से लटका मिला युवक का शव

बीएनएम। मोतिहारी। जिले के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र से एक 26 वर्षीय युवक का शव फंदे से लटका बरामद किया गया है। घटना मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के गोढवा पंचायत के बासमनपुर अगरवा गांव की है। मृतक बीरेंद्र प्रसाद के बेटे संजीव कुमार है। घटना की सूचना मिलते ही परिजन में कोहराम मचा हुआ है,जबकि पूरे इलाके में सनसनी फैली हुई है। परिजन के अनुसार मृतक संजीव रविवार को दोस्तों के साथ पार्टी करने के बाद घर लौटा था। इसके बाद वह फिर से घर से निकल गया, जिसके बाद उसकी काफी खोजबीन की गई लेकिन उसका कोई सुराग नही मिलने के बाद मुफ्फसिल थाना को सूचना दी गई,जिसके बाद पुलिस ने मोबाइल टावर लोकेशन के आधार पर खोजबीन शुरू किया तो युवक का शव उसके घर के समीप बगीचे में एक पेड़ से लटका मिला।पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम में भेज कर जांच में जुटी है। मुफ्फसिल थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है,जिसकी रिपोर्ट आने बाद ही यह स्पष्ट होगा कि मामला हत्या का है या उसने आत्महत्या की है।फिलहाल पुलिए अन्य एंगल से भी जांच कर रही है।

एमजीसीयू में गणतंत्र दिवस पर रूद्राक्ष का पौधारोपण

बीएनएम। मोतिहारी। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू) ने 26 जनवरी 2025 को गणतंत्र दिवस पूरे उत्साह और देशभक्ति के साथ मनाया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने गांधी भवन परिसर स्थित राधा वन में पवित्र रुद्राक्ष का पौधा रोपण किया।मौके पर कुलपति ने बताया कि यह पर्यावरणीय स्थिरता के साथ महात्मा गांधी के प्रकृति के साथ सामंजस्य वाले आदर्शों के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।इस अवसर पर कैंपस निदेशक प्रो. प्रसून दत्त भी मौजूद थे। कुलपति ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर जोर देते हुए सभी को प्रकृति के संरक्षण में योगदान देने की अपील की। प्रो. दत्त ने रुद्राक्ष वृक्ष के सांस्कृतिक और पर्यावरणीय महत्व को रेखांकित किया और विश्वविद्यालय के हरित परिसर बनाने के प्रयासों की सराहना की।कार्यक्रम में शिक्षक,कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र मौजूद रहकर स्थायी भविष्य के निर्माण व संविधान में निहित मूल्यों के प्रति अपना संकल्प को दुहराया।

35 कार्टन विदेशी शराब बरामद

बीएनएम। केसरिया। पुलिस ने थाना क्षेत्र के कढान से रविवार की देर संध्या कार्रवाई करते हुए 35 कार्टन शराब बरामद की है। हालांकि अंधेरे का फायदा उठाकर शराब तस्कर भाग निकले। थानाध्यक्ष उदय कुमार ने बताया कि कढान गाँव स्थित बाँध किनारे शराब की बड़ी खेप के भंडारण की सूचना मिली। जिसके बाद त्वरित कार्रवाई की गई। जहाँ से पुलिस ने 35 कार्टन में रखे ऑफिसर्स च्वाइस अंग्रेजी शराब बरामद की। छापेमारी दल में एसआई बादशाह चौहान, एसआई नवल किशोर समेत कई पुलिस बल शामिल थे।

26 जनवरी: गणतंत्र दिवस के अवसर पर सरकारी गैर संस्थाओ में किया गया झंडोत्तोलन

बीएनएम। मोतिहारी

76वें गणतंत्र दिवस के मौके पर मोतिहारी के ऐतिहासिक गांधी मैदान में जिले के प्रभारी शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने झंडोतोलन किया। कार्यक्रम में पूर्वी चंपारण के डीएम, एसपी, विधायक, जिला परिषद अध्यक्ष सहित जिले भर के गणमान्य उपस्थित रहे। इस मौके पर झांकियां भी निकाली गई।जिसमें बालिका सुरक्षा को लेकर छात्राओं ने आत्मरक्षा का बेहतरीन प्रदर्शन किया। वहीं गणतंत्र दिवस समारोह में पहली बार मोतिहारी पुलिस की झांकी भी शामिल हुई, जो लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा। मोतिहारी पुलिस के द्वारा डायल 112, क्विक रिसस टीम व वज्र टीम की झाकियां निकाली गई। इसके अलावा स्वास्थ्य, शिक्षा, पीएचईडी, उत्पाद विभाग सहित अन्य कई विभागों की झाकियां भी आकर्षण का केंद्र बनी रही। वहीं परेड में जिला पुलिस के अलावा एसएसबी, गृह रक्षक बल, अग्निशमन विभाग, एनसीसी और स्काउड एंड गाइड के कैडेट्स ने हिस्सा लिया।जिसका निरीक्षण प्रभारी मंत्री के साथ डीएम व एसपी ने किया। इस मौके पर प्रभारी मंत्री सुनील कुमार ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सरकार की उपलब्धियो का विस्तृत रूप चर्चा किया। साथ ही केंद्र सरकार द्वारा बिहार के 7 लोगों को पदम् पुरस्कार देने को लेकर प्रसन्नता जाहिर करते कहा कि हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि बिहार के कई लोगों को केंद्र की सरकार ने पद्म सम्मान से सम्मानित किया है।उन्होने कहा कि बिहार से तेजी विकास कर रहा है।आने वाले दिनो में बड़े पैमाने पर शिक्षकों की बहाली होगी।सरकार भष्ट्राचार को लेकर गंभीर है।गड़बड़ करने वाले कोई अधिकारी बख्शे नही जायेगे।हाल में ही बेतिया के जिला शिक्षा पदाधिकारी पर कार्रवाई की चर्चा करते कहा कि भ्रष्ट अधिकारियो को लेकर नीति बन रही है। जो लोग भी भ्रष्टाचार करेगे। उन पर कार्रवाई तय है।

बीएनएम। तुरकौलिया

गणतंत्र दिवस पर सरकारी व निजी कार्यालयों सहित सभी सभी राजनीतिक पार्टी व शिक्षण संस्थानों पर झंडा फहराया गया। प्रखंड परिसर में प्रमुख विभा यादव, थाना पर थानाध्यक्ष सुनील कुमार, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर डा.अर्जुन कुमार, गांधी घाट पर सीओ संतोष कुमार, तुरकौलिया पश्चिमी पंचायत कार्यालय व नीम पेड़ चबुतरा पर मुखिया रामजनम पासवान, तुरकौलिया पूर्वी में पंचायत कार्यालय पर मुखिया विनय कुमार व सरपंच कार्यालय पर सरपंच पुनदेव सहनी, तुरकौलिया मध्य में मुखिया सुनील कुमार, जयसिंहपुर दक्षिणी में विनोद सिंह, उत्तरी में मुखिया आभा कुमारी व जयसिंहपुर पूर्वी में अनीता देवी, विजुलपुर पंचायत में मुखिया उमा देवी, वेलवा राय पंचायत में मुखिया प्रेरणा कुमारी, सपही में मुखिया विजय प्रसाद, शंकरसरैया उत्तरी में मुखिया अशरफ आलम व दक्षिणी में मुखिया एजाज अहमद, एसआरआर हाई स्कूल में एचएम इरशाद अहमद, जेएच पब्लिक मेमोरियल स्कूल में शशिभूषण सिंह, गुरूकृपा गैस एजेंसी पर प्रोपराइटर हेमंत किशोर वर्मा, चरगाहां पंचायत में मुखिया बबीता देवी ने झंडा फहराया। वही श्री राजा राम हाईस्कूल के सामने सौरभ मैथेमेटिक्स पर झंडातोलन किया गया। जहां मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद तुरकौलिया पूर्वी पंचायत की पूर्व मुखिया व एबी हास्पिटल की डायरेक्टर डा. बेबी आलम ने झंडा फहराया। साथ ही गणतंत्र दिवस पर विस्तृत प्रकाश डाला। छात्र छात्राओं के साथ इतिहास की बातें भी साझा किया। सौरभ मैथेमेटिक्स सेंटर पर बेबी आलम का भव्य स्वागत करते हुए गुब्बारे छोड़े गए और फूल भी बरसाएं गए। मौके पर बीडीओ प्रियंका कुमारी, अनिरुद्ध सहनी, संजय सिंह, अधिवक्ता दिनेश्वर प्रसाद, उप सरपंच अजमल कमाल उर्फ लाल सोनालाल साह, अमेरिका पासवान आदि मौजूद थे।

हरसिद्धि। गणतंत्र दिवस प्रखंड क्षेत्र सरकारी गैर सरकारी कार्यालय एवं सभी विद्यालय में शान से तिरंगा फहराया गया। प्रखंड मुख्यालय में प्रमुख जानकी देवी, पीएचसी में डॉ. सुनील कुमार, एमआर इंटर कालेज में पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, रामलाल सोनेलाल प्रोजेक्ट कन्या उच्च विद्यालय में प्रधानाध्यापक आलोक कुमार, थाना परिसर में थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा, चम्पारण कोल्ड स्टोरेज में ई.राकेश कुमार गुप्ता, यादवपुर पंचायत भवन पर मुखिया ममता देवी, बैरिया डीह पंचायत से मुखिया छठीय देवी, घिउवाढार पंचायत में मुखिया बीरेंद्र कुमार, चढ़रहिया पंचायत में मुखिया रोहित सिंह उर्फ अभिषेक सिंह, विवेक भारती पब्लिक स्कूल में निदेशक विन्देश्वरी प्रसाद यादव इत्यादि लोगो ने झंडातोलन किया।

केसरिया। केसरिया प्रतिनिधि के अनुसार गणतंत्र दिवस के अवसर पर रविवार को प्रखण्ड क्षेत्र के विभिन्न सरकारी व गैर सरकारी कार्यालयों व संस्थानों में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा शान से लहराया। प्रखण्ड कार्यालय परिसर में प्रखण्ड प्रमुख आलिया प्रवीण, निबंधन कार्यालय में अवर निबंधक दिव्यांशु दिव्याल, जदयू कार्यालय में विधायक शालिनी मिश्रा, पुलिस निरीक्षक कार्यालय में पुनि मुनीर आलम, केसरिया थाना परिसर में थानाध्यक्ष उदय कुमार, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अर्चना, बीआरसी में बीईओ विनय कुमार तिवारी, नगर पंचायत में मुख्य पार्षद किरण देवी, बिजधरी थाना परिसर में थानाध्यक्ष राजीव कुमार ने झंडोतोलन किया।

गणतंत्र दिवस हमें अपने लोकतांत्रिक मूल्यों की दिलाता है याद : प्राचार्य

बीएनएम। मोतिहारी

देश के 76 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर शहर के मुंशी सिंह महाविद्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराकर गणतंत्र दिवस मनाया गया। महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. मृगेंद्र कुमार ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर देशवासियों को लोकतंत्र के राष्ट्रीय उत्सव की शुभकामनाएँ व बधाई दी। इस अवसर पर उन्होंने शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मी और छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि - 'भारत को गणतांत्रिक देश बने हुए आज 75 वर्ष पूरे हो गए। यह दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का उत्सव है। गणतंत्र दिवस हमें अपने लोकतांत्रिक मूल्यों की याद दिलाता है। यह हमें अपने संवैधानिक अधिकार के साथ-साथ संवैधानिक कर्तव्य के प्रति भी सचेत करता है। उन्होंने इसी कड़ी में महाविद्यालय के भावी विकास और राष्ट्रीय स्तर पर इसकी पहचान हेतु विभिन्न परियोजनाओं को लागू करने की भी बात कही। इसमें विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति, शिक्षकों के लिए रिसर्च-प्रोजेक्ट, शैक्षणिक भ्रमण, शोध-पत्रिका, स्पोर्ट्स, कल्चरल विंग और विद्यार्थियों से जुड़ी विभिन्न योजनाओं को लागू करने का आश्वासन दिया। इसके लिए उन्होंने शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी और छात्र-छात्राओं से अपने कर्तव्य और अधिकार को पहचानने की बात कही। इस अवसर पर एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट डॉ. नरेन्द्र सिंह की अगुआई में प्राचार्य के द्वारा एनसीसी कैडेट के कुछ छात्रों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पदोन्नत भी किया गया। महाविद्यालय के लिए क्रीड़ा के क्षेत्र में उम्दा प्रदर्शन के लिए प्राचार्य ने महाविद्यालय क्रीड़ा निदेशक मनोरंजन प्रसाद सिंह के नेतृत्व की प्रशंसा की एवं सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ दी। इस अवसर पर प्रो.एम.एन. हक़, प्रो. इक़बाल हुसैन, प्रो. अजय कुमार, डॉ. जमुना राम, डॉ. ए.के.रंजन, डॉ. शफ़ीकुर रहमान, डॉ. नरेन्द्र सिंह, डॉ. प्रभाकर सिंह, डॉ. विदुषी दीक्षित, डॉ. पंकज करण, डॉ. मनोहर कुमार श्रीवास्तव, डॉ. गौरव भारती, डॉ. मशहूर अहमद, दिलीप कुमार, एस.के. राव, प्रमोद कुमार, एस.बी. पाण्डेय, सूबेदार प्रदीप द्विवेदी आदि सहित अन्य शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी और छात्र -छात्राएं मौजूद थे। यह जानकारी मुंशी सिंह महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. गौरव भारती ने दी है।

सोमेश्वर टी-20 टूर्नामिंट: मझौलिया ने अरेराज को हराकर कप पर जमाया कब्जा

बीएनएम। अरेराज

महंत शिवशंकर गिरि महाविद्यालय के स्टेडियम में खेला गया। मझौलिया टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया और अरेराज टीम को 20 ओवर में 172 रन पर ऑल आउट कर दिया। वहीं मझौलिया टीम ने 19.2 ओवर में 174 रन बनाकर चार विकेट से मैच जीत लिया। मझौलिया टीम के बिहारी को मैन ऑफ द मैच चुना गया, जिन्होंने चार ओवर में दो विकेट झटके और 50 रन की शानदार पारी खेली। अरेराज टीम के काशी को मैन ऑफ द सीरीज का पुरस्कार दिया गया। इस टूर्नामेंट में विजेता और उपविजेता टीमों को नकद पुरस्कार और शील्ड दिए गए। मुख्य अतिथि मुख्य पार्षद अमितेश पांडेय उर्फ रंटू पांडेय ने विजेता टीम को वीनर शील्ड और 11 हजार नकद दिया, जबकि उपविजेता टीम को रनर शील्ड और 51 सौ नकद दिया गया।

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में उमंग खेल उत्सव का हुआ शुभारंभ

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू) में 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर सप्ताह भर चलने वाले खेल उत्सव 'उमंग' का भव्य शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय खेल बोर्ड द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में छात्रों, शिक्षकों और गणमान्य व्यक्तियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने किया। मौके पर उन्होने खेल संस्कृति को मजबूत बनाने को लेकर महत्वपूर्ण घोषणाएं करते कहा कि एमजीसीयू न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता, बल्कि खेलों में भी श्रेष्ठता को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। अगले शैक्षणिक वर्ष से विश्वविद्यालय में खेल कोटा के तहत प्रवेश की सुविधा शुरू की जाएगी, जिससे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को एमजीसीयू में प्रवेश लेकर अपनी प्रतिभा को निखारने का अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त, हम प्रतिष्ठित खेल संस्थानों के साथ समझौता (MoUs) पर हस्ताक्षर करेंगे, जिससे छात्रों को बेहतर प्रशिक्षण प्राप्त होगा और उनकी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता में वृद्धि होगी। प्रो. श्रीवास्तव ने कहा कि 'उमंग' केवल खेलों का उत्सव नहीं है, बल्कि एमजीसीयू में एक मजबूत खेल पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जहां छात्र अपने कौशल को निखारते हुए अनुशासन, टीमवर्क और धैर्य जैसे जीवन कौशल सीखेंगे। वही विश्वविद्यालय खेल बोर्ड के अध्यक्ष प्रो. शिरीष मिश्रा ने प्रतिभागियों और आयोजकों की सराहना करते हुए कहा, "खेल हमें जीवन के अमूल्य पाठ पढ़ाते हैं और छात्र के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। 'उमंग' के माध्यम से हम छात्रों को शारीरिक फिटनेस अपनाने और नेतृत्व कौशल विकसित करने के लिए प्रेरित करना चाहते हैं।उल्लेखनीय है,कि उमंग' के तहत क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, एथलेटिक्स सहित अन्य खेल प्रतिस्पर्धा आयोजित किया जायेगा।

धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ लोगों नें मनाया देश का 76 वा गणतंत्र दिवस

बीएनएम। रामगढ़वा

गणतंत्र दिवस के अवसर पर रविवार को प्रखंड क्षेत्र के सभी जगहों पर राष्ट्रध्वज को शान से लहराया गया। सरकारी, गैर सरकारी संस्थानों सहित राजनैतिक दलों के कार्यालयों पर झंडोतलन किया गया। रामगढ़वा प्रखंड कार्यालय में प्रखंड प्रमुख रीता देवी नें राष्ट्र ध्वज फहराया। वही राजस्व कचहरी में अंचलाधिकारी राजा कुमार, पीएचसी में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा. एन डी सिंह, रामगढ़वा थाना कार्यालय में थाना अध्यक्ष अमरजीत कुमार, पलनवा थाना कार्यालय में प्रभारी थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार नें झंडोतोलन किया। इस अवसर पर कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों के भी आयोजन किए गए। वहीं राजनीतिक दलों के कार्यालय में भी राष्ट्रध्वज को शान से लहराया गया। प्रखंड राजद कार्यालय में सुगौली विधायक इंजीनियर शशि भूषण सिंह ने राष्ट्र ध्वज लहराया। वही लोक जन शक्ति पार्टी रामविलास के रामगढ़वा बेस कैम्प कार्यालय में प्रदेश महासचिव सह विधानसभा प्रत्याशी पंकज कुमार पांडेय उर्फ लोहा पांडेय ने राष्ट्रीय ध्वज लहराया। प्रखंड कांग्रेस कार्यालय में प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष संजय कुमार पांडेय ने झंडोतोलन किया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रखंड क्षेत्र के सभी शैक्षिक संस्थानों में भी वहां के प्रधानाध्यापकों के द्वारा झंडोतलन किया गया और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

गणतंत्र दिवस

26 जनवरी
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
भूषण कु० पटेल
भावी मुखिया प्रत्याशी सह पंचायत समिति पुत्र- शिवनगर पंचायत रामगढ़वा

26 जनवरी
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
राकेश कुमार
बीडीओ- रामगढ़वा

26 जनवरी
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
ऋतुराज कश्यप
आरपीएफ इंस्पेक्टर, रक्सौल

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
प्रगति क्योर एण्ड केयर हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी ट्रॉमा एवं स्पोर्ट्स इन्ज्यूरी सेन्टर
हॉस्पिटल चौक, गली नं - 5 (अगरवा माई स्थान) मोतिहारी
डॉ. मनोज कुमार सिंह
हड्डी, जोड़, रीढ़ एवं नस रोग विशेषज्ञ
उपलब्ध सुविधाएं-
अत्याधुनिक जीवन रक्षक मशीनों से युक्त
अत्याधुनिक आई.सी.यू की सुविधा
सभी प्रकार के एक्सीडेन्टल मरीजों के ईलाज की समुचित सुविधा
लेप्रोस्कोपी सर्जरी, पिडिऐट्रिक्स सर्जरी (नवजात एवं शिशु का ऑपरेशन)
न्यूरो सर्जरी, ऑर्थो, स्पाईन, ऑर्थोस्कोपी सर्जरी की सुविधा
समस्त हड्डी रोग का सम्पूर्ण ईलाज की सुविधा
गर्भवती महिलाओं के लिए ईलाज की सुविधा
विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा ओपीडी प्रतिदिन
24/7 EMERGENCY SERVICES
Mob.- 8809888664, Landline : 06252-358679

26 जनवरी
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
समसुल जोहा अंसारी
मुखिया पति, चम्पारपुर, रामगढ़वा

26 जनवरी
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
सागर कु० पटेल उर्फ बंगाली
पं० स० स० प्रतिनिधि, प्रखंड- तुरकौलिया

26 जनवरी
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
दशरथ प्रसाद कुशवाहा
मुखिया, ग्राम पंचायत राज, पानापुर रंजीता

26 जनवरी
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
डॉ० प्रहस्त कुमार
नोडल पदाधिकारी, पीएचसी - रामगढ़वा

26 जनवरी
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
रंजन कुमार
रामगढ़वा, पूर्वी चम्पारण

26 जनवरी
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
अमृतेश कुमार
मनरेगा पीओ, रामगढ़वा

26 जनवरी
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
अवनीश कुमार राय
प्रखण्ड समन्वयक (बी.सी), हरसिद्धि

26 जनवरी
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
राजू श्रीवास्तव
पूर्व मुखिया- पंचायत सकरार

26 जनवरी
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
इंद्रजीत कुमार दास
बीपीआरओ, रामगढ़वा

26 जनवरी
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
डॉ. राजन जायसवाल
राजद नेता व पूर्व विधानसभा प्रत्याशी,21 ढ़ाका विधानसभा, पूर्वी चम्पारण।

26 जनवरी
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
आलोक श्रीवास्तव
बीपीआरओ- हरसिद्धि, पूर्वी चंपारण

26 जनवरी
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
रोहित सिंह उर्फ अभिषेक सिंह
मुखिया, ग्राम पंचायत राज- चंद्रहिया, हरसिद्धि

गणतंत्र दिवस
सभी जिला वासियों को
गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएँ
डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह
मा. अध्यक्ष
बिहार प्रदेश कॉंग्रेस कमिटी
सह
राज्यसभा सांसद
ई. शशि भूषण राय
(गप्पू राय)
अध्यक्ष
जिला कॉंग्रेस कमिटी
पूर्वी चम्पारण (बिहार)

26 जनवरी
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
राजा कुमार
अंचलाधिकारी- रामगढ़वा

26 जनवरी
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
सुनील कुमार
पीएचसी प्रभारी- हरसिद्धि, पूर्वी चंपारण

26 जनवरी
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
सर्वेंद्र कुमार सिन्हा
थानाध्यक्ष- हरसिद्धि

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR) Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

स्वर्णिम भारत - विरासत और विकास" की थीम पर 71 वीं वाहिनी द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया गणतंत्रत दिवस

बीएनएम। मोतिहारी

एसएसबी 71 वीं वाहिनी मोतिहारी के द्वारा वाहिनी परिसर में 76 वाँ गणतंत्रता दिवस मनाया गया। कार्यक्रम कीशुरुआत,वाहिनी के कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार, ने महानिदेशक सशस्त्र सीमा बल के संदेश को पढ़ कर किया और सभी बलकर्मीयों को 76 वें गणतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी I साथ हीं स्वर्णिम भारत – विरासत और विकास की थीम पर समस्त बल कर्मियों को अपने कार्य को पूरी निष्ठा तथा ईमानदारी पूर्वक करने के साथ ही अपनी विरासत पर गर्व महसूस करने हेतु प्रोत्साहित किया I उन्होंने बताया कि एस.एस.बी. सीमा पर तैनात होकर अपनी पूरी निष्ठा व ईमानदारी से अपने दायित्वों का निर्वहन करते आ रही है I इस दौरान वाहिनी ने सीमा पर हो रहे अवैध तस्करी को रोकने, कोर एरिया जब्ती और अन्य महत्वपूर्ण जब्ती करने का कार्य किया है I इसके अतिरिक्त वाहिनी ने सीमा के लोगो के लिये नागरिक कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत सीमावर्ती बेरोजगार युवक व युवतियों को रोजगार मुहैया कराने के लिये नि:शुल्क तरह-तरह के कौशल विकास प्रशिक्षण करवा रही है, जिससे लोग स्वालंबी हो रहे हैं और अपना जीवन यापन कर रहें हैं I 76 वें गणतंत्रता दिवस के अवसर पर वाहिनी की परेड टीम ने पूर्वी चंपारण जिला स्तरीय गणतंत्रता दिवस परेड में द्वितीय स्थान प्राप्त कर वाहिनी को गौरवान्वित किया तथा सीमावर्ती चौकियों के द्वारा स्थानीय बच्चों, APF नेपाल और अन्य प्रशासनिक विभागों के बीच मिठाई वितरण किया गया I इस कार्यक्रम के दौरान नीरज कुमार (द्वितीय कमान अधिकारी),दिनेश कुमार ममोत्रा (उप कमांडेंट), उपेन्द्र सिंह डांगी (उप कमांडेंट), दीपक कुमार (सहायक कमांडेंट/संचार) और बड़ी संख्या में वाहिनी के अधीनस्थ अधिकारी व जवान उपस्थित रहे ।

स्वच्छ वातावरण में कदाचार मुक्त संपन्न कराई जाएगी इंटरमीडिएट की परीक्षा

बीएनएम। मोतिहारी

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति,पटना के अध्यक्ष से प्राप्त पत्र के आलोक में इंटरमीडिएट वार्षिक (सैद्धांतिक) परीक्षा-2025 दिनांक- 01 फरवरी 2025 प्रारंभ हो रही है जो आगामी 15 फरवरी 2025 को समाप्त होगी। इस परीक्षा को शांति पूर्ण स्वच्छ, निष्पक्ष एवं कदाचार मुक्त वातावरण में संपन्न कराने को लेकर जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के निर्देश पर जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं अपर पुलिस अधीक्षक के द्वारा मोतिहारी शहर के राजा बाजार स्थित महात्मा गांधी प्रेक्षा गृह में संयुक्त ब्रीफिंग के दौरान बताया गया कि जिला में यह परीक्षा कुल 65 परीक्षा केंद्रों पर संचालित की जाएगी जिसमें 56888 छात्र-छात्राएं भाग लेंगे। परीक्षा संचालन को लेकर मोतिहारी अनुमंडल में कुल 35 परीक्षा केंद्र,अरेराज अनुमंडल में 07, सिकरहना अनुमंडल में 06, पकड़ीदयाल अनुमंडल में 05, रक्सौल अनुमंडल में 05 एवं चकिया अनुमंडल में कुल 07 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा दो सीटिंग में ली जाएगी। पहली सीटिंग 9:30 बजे से 12:45 बजे तक तथा दूसरी सीटिंग 2:00 से 2:15 बजे तक चलेगी। जिला शिक्षा पदाधिकारी के द्वारा स्पष्ट निर्देश दिया गया कि प्रथम सीटिंग के लिए परीक्षार्थियों का परीक्षा केंद्र के अंदर प्रवेश 9:00 बजे तक ही निर्धारित किया गया है, जबकि द्वितीय सीटिंग के लिए परीक्षार्थी 1:30 बजे तक ही परीक्षा केंद्र के अंदर प्रवेश कर सकेंगे। इससे विलंब से आने वाले परीक्षार्थियों को केंद्र के अंदर प्रवेश वर्जित किया गया है। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने बताया कि जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के स्तर से जारी संजुक्तादेश में सभी परीक्षा केन्द्रों पर चार-चार स्टैटिक दण्डाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गयी है जो स्वच्छ वातावरण में परीक्षा सम्पन्न करायेंगे तथा परीक्षा केन्द्रों के आसपास भीड़

न लगे इसे सुनिश्चित करायेगें। इसके अतिरिक्त दो से चार परीक्षा केंद्र के लिए गश्ती दल दण्डाधिकारियों की भी प्रतिनियुक्ति की गयी है जो विधि व्यवस्था सहित परीक्षा केंद्र के आसपास के फोटो स्टेट की दुकान पर विशेष नजर रखेंगे तथा परीक्षा केन्द्र के निकट के फोटो स्टेट के दुकानों को बंद करा देगें। सदर अनुमंडल मोतिहारी के परीक्षा केंद्रों के लिए 5 जोनल दंडाधिकारी जबकि चकिया, अरेराज, पकरीदयाल, रक्सौल एवं सिकरहना अनुमंडल के लिए एक जोनल दंडाधिकारियों की भी प्रतिनियुक्ति की गई है। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा निर्देश दिया गया है कि सभी प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी परीक्षा केंद्रों का लगातार भ्रमण कर जायज लेते रहेंगे। नगर आयुक्त, अपर समाहर्ता, उप विकास आयुक्त सहित वरीय पदाधिकारी को सुपर जोनल मजिस्ट्रेट के रूप में प्रतिनियुक्त किया गया है ताकि परीक्षा संचालन पर लगातार नजर रखी जा सके। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने कहा कि सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारी 07:00 बजे पूर्वा. तक अपनी प्रतिनियुक्ति स्थान ग्रहण कर लेंगे। परीक्षा केंद्र के भीतर परीक्षार्थियों के अतिरिक्त अनाधिकृत प्रवेश वर्जित रहेगा तथा परीक्षा केन्द्र में प्रवेश के समय परीक्षार्थियों की तलाशी निश्चित रूप से करा ली जाय। कोई भी परीक्षार्थी किसी भी प्रकार की चिट पुर्जा, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण यथा मोबाईल, ब्लूटूथ, पेजर,घड़ी आदि लेकर नहीं जायेगा। परीक्षा में कदाचार करने या उसे प्रोत्साहित करने एवं आदेश का उल्लंघन करने वाले के विरूद्ध बिहार परीक्षा संचालन अधिनियम-1981 एवं उच्च न्यायालय, पटना द्वारा पारित आदेश के आलोक में सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत कठोर कार्रवाई का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरा लगाने का निर्देश संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी को दिया गया है। सभी केन्द्राधिक्षकों को निर्देश दिया गया कि परीक्षा कक्ष में बैठने सम्बधी सीट प्लान की एक प्रति मुख्य प्रवेश द्वार पर तथा एक प्रति सूचना पट पर लगाना सुनिश्चित करेगें ताकि परीक्षार्थियों को अपने बैठने का स्थान खोजने में परेशानी नहीं हो। परीक्षा केन्द्र पर प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारी, वीक्षक के पास मोबाईल फोन नहीं रहेगा। उड़नदस्ता दल के पदाधिकारी भी मोबाईल लेकर परीक्षा केन्द्र के अन्दर प्रवेश नहीं करेंगे। मीडिया कर्मियों के परीक्षा केन्द्र के अन्दर प्रवेश पर रोक लगायी गयी है। परीक्षा के दिन सुबह से परीक्षा की समाप्ति तक 06252- 242418 पर जिला नियंत्रण कक्ष कार्यरत रहेगा। इस अवसर पर सभागार में उपस्थित सभी केंद्राधीक्षक, दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी पदाधिकारी को अपर पुलिस अधीक्षक श्री शिखर चौधरी भी संबोधित करते हुए सभी जरूरी तथ्यों से अवगत कराया गया। इस अवसर पर प्रेक्षा गृह में अनुमंडल पदाधिकारी, जिलाधिकारी के विशेष कार्य पदाधिकारी अमरेश कुमार भी मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

महाकुंभ से लौट रहे बिहार में पूर्वी चंपारण जिले के चार लोगों की सड़क हादसे में मौत

अनियंत्रित कार दूसरे लेन में गयी तो तेज रफ्तार ट्रक ने कार में मारी जोरदार टक्कर -मृतको में पति-पत्नी और दो बच्चे शामिल

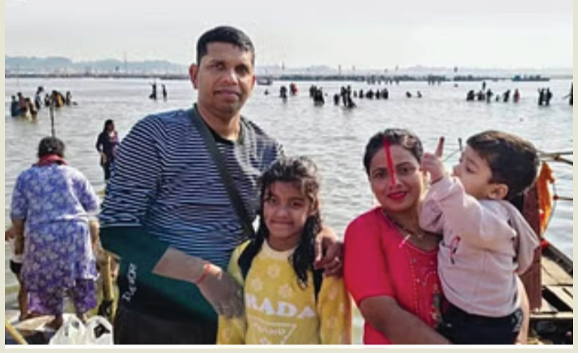

बीएनएम। मोतिहारी: लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर सोमवार की सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। मृतक सभी बिहार में पूर्वी चंपारण जिले में चिरैया थाना क्षेत्र पीरारी गांव के रहने वाले हैं। जो फिलहाल दिल्ली में रह रहे थे। हादसा उस समय हुआ जब सभी प्रयागराज में कुंभ स्नान कर दिल्ली लौट रहे थे। इसी दौरान कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराई और दूसरी लेन में जा घुसी,तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार ट्रक ने कार को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के दौरान कार में सवार सभी लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतको में चिरैया के पीरारी गांव निवासी वीर शमशेर सिंह के तीन बेटों में सबसे छोटे पुत्र ओमप्रकाश आर्या (38)उनकी पत्नी पूर्णिमा सिंह (34), बेटी अहाना (12), और बेटे विनायक (4)शामिल है। मिली जानकारी के अनुसार पेशे से वकील ओमप्रकाश आर्या फिलवक्त दिल्ली के उत्तम नगर में अपनी पत्नी और बच्चो के साथ रह रहे थे।रविवार को प्रयागराज कुंभ स्नान के बाद दिल्ली लौट रहे थे।इसी बीच सुबह करीब 9 बजे उनकी कार आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर 31 किलोमीटर आगे निकली ही थी,कि कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराई और उछलकर दूसरी लेन में चली गई. दूसरी लेन में सामने से आ रहे ट्रक ने कार में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद तेज धमाका हुआ। सूचना पर मौके पर पहुंची फतेहाबाद थाना पुलिस ने कार में फंसे चारों शवों को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला।सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए आगरा के एसएन अस्पताल भेज दिया है।इधर घटना की सूचना के बाद मोतिहारी के मठिया स्थित उनके अस्थायी घर के साथ ही उनके पैतृक गांव पीरारी में कोहराम मचा हुआ है।पिता समेत उनके परिजनो का रो-रो कर बुरा हाल है।

गौनाहा में हर घर जन सुराज जन संपर्क अभियान की शुरुआत

बीएनएम। गौनाहा। गौनाहा प्रखंड क्षेत्र के पकड़ी विसौली गांव स्थित अभिजय सिंह के अवास से हर घर जन सुराज जन संपर्क अभियान की शुरुआत की गयी। मौके पर उपस्थित लोगों को जन सुराज कार्यकर्ताओं के द्वारा 2025 में जन सुराज को वोट देने और सत्ता मे लाने के लिए आह्वाहन किया गया। कार्यक्रम कि अध्यक्षता बैरीष्टर प्रसाद व संचालन राज्य कार्यसमिति सदस्य इंजीनियर अशरफ अली ने किया। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए संगठन के जिला युवा अध्यक्ष अभिजय सिंह ने कहा कि 2025 के चुनाव में आप अपने बच्चों को आईने के सामने रख कर वोट करें। ताकि यह दिखाई दे कि आप किसका चुनाव कर रहे है। आपके बच्चों को कमाने के लिए, इलाज के लिए बाहर प्रदेश नही जाना पड़े इस लिए आप जन सुराज को मजबूत करते हुए 2025 में सत्ता मे लायें। राज्य कार्यसमिति के सदस्य ई. अशरफ अली ने कहा कि यहां दो पार्टी के लोग जमीन से आसमान पर पहुंच गए। लेकिन आपके बच्चों के लिए प्रशांत किशोर अर्श से फर्श तक आये है। ताकि आपके बच्चों के भविष्य सुधरे। बच्चे कभी यह ना पुछे की आपने राजनीति के क्षेत्र में हमारे लिए क्या किया है। संगठन जिला संयोजक संभु प्रसाद ने कहा कि आप ऐसी सरकार का चुनाव करें जो आपके बुढ़ापा का सहारा बने, बीना कमीशन का खाद मिले, आपके बच्चे को नौकरी मिले। अभियान आवास से निकल कर बजार, अमोलवा स्टेशन, गांव होते हुए आवास पर आकर समाप्त हुआ। मौके पर नगर अध्यक्ष नरकटियागंज गुलरेज समीम, प्रखंड अध्यक्ष प्रहलाद महतो, जिला महासचिव समसाद अलीआदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रेड क्रॉस में रक्तदान शिविर का किया गया आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

26 जनवरी को 76 वें गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर शहर के रेड क्रॉस के प्रांगण में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन मारवाड़ी युवा मंच मोतिहारी, रक्तदान समूह मोतिहारी एवं ब्लड डोनर ग्रुप मोतिहारी के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। उक्त शिविर का उद्घाटन जिलाधिकारी सौरव जोरवाल, नगर आयुक्त नगर निगम सौरभ सुमन यादव, एडीएम आपदा राजेश्वरी पाण्डेय, उप मेयर डॉ. लाल बाबू प्रसाद, मारवाड़ी युवा अध्यक्ष मंच यमुना कुमार सीकरीया, संस्थापक रक्तदान समूह मोतिहारी अनिरुद्ध लोहिया एवं संस्थापक ब्लड डोनर ग्रुप मोतिहारी राजन श्रीवास्तव द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर यमुना सीकरीया ने जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल को मोमिंटो देकर सम्मानित किया तथा पिछले लोकसभा चुनाव में भारतवर्ष में किए गए सबसे बेहतर कुशल प्रबंधन के प्रदर्शन के लिए राष्ट्रपति महोदय से प्राप्त पुरस्कार के लिए सहृदय धन्यवाद और बधाई दी। श्री सीकरीया ने कहा

की रक्तबीरो का जिलाधिकारी ने आकर जो मनोबल बढ़ाया है जिसकी वजह से पहली बार पिता-पुत्र, पति-पत्नी, पिता-पुत्री ने एक साथ रक्तदान कर मिसाल कायम की है। इस रक्त दान शिविर में कुल 37 लोगों ने अपना बहुमूल्य रक्तदान किया जिसमें 3 महिला एवं 1 युवती ने अपना रक्तदान किया। सभी रक्तवीरों को जिलाधिकारी एवं अन्य लोगों ने संयुक्त रूप से सम्मान पत्र एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। शिविर को सफल बनाने में मारवाड़ी युवा मंच के सचिव अमित अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष विपुल जालान, शैल जैन, साकेत नोपानी, किशन जालान, मनमोहन शर्मा, केशव सिंघानिया, रक्तदान समूह मोतिहारी संयोजक दिलनवाज रशीद, रवि अग्रवाल, दीपक राज वर्मा, कौशल सिंह, अमरेंद्र मिश्रा, संतोष कुमार बबलू आदि का सहयोग सराहनीय रहा।

चम्पारण यूथ ऑर्गेनाइजेशन टीम ने गरीब एवं असहायो के बीच कंबल वितरण

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के रक्सौल अनुमंडल में चम्पारण यूथ ऑर्गेनाइजेशन टीम के तरफ से लोग को हमेशा जरूरतमंद व एवं असहाय लोगों की सेवा में तत्पर रहते हैं। ठंड के बढ़ते मौसम में गरीब व असहाय की परेशानी को देखते हुए समय पर चम्पारण यूथ ऑर्गेनाइजेशन टीम के द्वारा मदद पहुंचाई जा रही है। जो काफी सराहनीय कार्य है। कड़ाके की ठंड में असहायों की सेवा ही मानवता की सेवा है। चम्पारण यूथ ऑर्गेनाइजेशन टीम हमेशा लोगों की समस्याओं को दूर करने का हर संभव प्रयास करता है। चम्पारण यूथ ऑर्गेनाइजेशन टीम के तरफ से सैकड़ों गरीब और जरूरतमंद लोगों के बीच कम्बल का वितरण किया गया इस मौके पर चम्पारण यूथ ऑर्गेनाइजेशन के अध्यक्ष कौसर आलम और रक्सौल यूनिट के अध्यक्ष एजाज आलम रक्सौल यूनिट के सचिव नजरें आलम चम्पारण यूथ ऑर्गेनाइजेशन टीम के प्रवक्ता सबा करीम, रामानन्द पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर विनोद कुमार जी और ऑर्गेनाइजेशन के अन्य सदस्य भी मौजूद थे ।

महिला फुटबॉल टूर्नामेंट: रोमांचक मुकाबले के बीच एबी हॉस्पिटल की टीम धराशायी

बीएनएम। तुरकौलिया

सेमरटोला स्टेडियम में सात दिवसीय महिला फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल मैच रविवार को एबी हॉस्पिटल तुरकौलिया व सिवान टीम के बीच खेला गया था। जहां दोनों टीम शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों का दिल जीत लिया। दर्शकों में काफी उत्साह नजर आ रहा था। लगभग 10 हजार की संख्या में दर्शक सेमरा टोला स्टेडियम में पहुंचे थे। मैच शुरू होते ही दोनों टीम एक दूसरे टीम के तरफ गोल करने में काफी मशक्कत कर रही थी। लेकिन मध्यांतर तक दोनों टीम एक दूसरे को एक भी गोल नहीं कर सकी। वही मध्यांतर के बाद एबी हॉस्पिटल तुरकौलिया की टीम ने सिवान को एक गोल दाग कर मैच को और रोमांचक बना दिया। वही सिवान टीम ने भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए मैच समाप्ति से पांच मिनट पहले एबी हॉस्पिटल तुरकौलिया को एक गोल दाग कर मैच बराबरी कर स्टेडियम में बैठे दर्शकों में हलचल मचा दी। दोनों टीम एक एक गोल कर

बराबरी पर थे। मैच समाप्ति के बाद रेफरी और आयोजन समिति के अध्यक्ष द्वारा विचार विमर्श करने के बाद दोनों टीम को पांच-पांच मिनट का और समय बढ़ाया गया। फिर मैच को शुरू किया गया। दस मिनट के खेल के बाद कोई भी टीम एक भी गोल नहीं कर सकी। उसके बाद पेनाल्टी सूट का बारी आया। पेनाल्टी सूट में सिवान टीम के तरफ से एबी हॉस्पिटल को पांच गोल दागा गया। वही एबी हॉस्पिटल तुरकौलिया ने सिवान को मात्र चार गोल ही दाग पाई। जिससे सिवान टीम 5-4 से विजयी हुई। मैन ऑफ द सीरीज का पुरस्कार आयोजन कमिटी के अध्यक्ष कमरूद्दीन अंसारी द्वारा सिवान टीम के जर्सी न0 10 मनीषा कुमारी को दिया गया। वही टूर्नामेंट में विजेता व उपविजेता का कप मरहूम जमशेद अंसारी के पुत्र आदम अंसारी के द्वारा दिया गया। मौके पर मुखिया संघ के अध्यक्ष सुनील टाइगर, पूर्व प्रमुख संजय सिंह, मुखिया अशरफ आलम, मुखिया रामजन्म पासवान, पूर्व मुखिया क़मरुजम्मा, डॉ0 अफजल आलम, डॉ0 जमाल अशरफ, पूर्व मुखिया बेबी आलम, सागर कुमार पटेल, बब्लू मियां, प्रशांत कुमार, मौजम आरिफ आदि मौजूद थे।

डीपीआरओ सहित चार विभूतियों को मिला ' ज्ञान सागर सम्मान

वार्षिकोत्सव पर स्कूली बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मन मोहा

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के अगरवा में स्थित शैक्षणिक व सांस्कृतिक संस्था' ज्ञान सागर पब्लिक स्कूल' ने अपने 28 वें वार्षिकोत्सव एवं गणतंत्र दिवस के संयुक्त अवसर पर जिले की चार विभूतियों को समाज में उनके विशिष्ट योगदान के लिए समारोहपूर्वक सम्मानित किया। संस्था परिसर में आयोजित भव्य समारोह के प्रारंभ में जिला प्रशासन और आम जन के बीच संवाद स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के लिए सूचना सेवा के क्षेत्र में जिला जन सम्पर्क पदाधिकारी ज्ञानेश्वर प्रकाश, कानूनी जागरूकता फैलाने के लिए एलएडीसी (जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पूर्वी चम्पारण) के चीफ उमेन्द्र कुमार वर्मा उर्फ पप्पू भईया, नाटक व रंगमंच के क्षेत्र में बिहार का नाम राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय फलक पर आलोकित करने वाले प्रसाद रत्नेश्वर को सांस्कृतिक सेवा के क्षेत्र में तथा शिक्षाविद रेणु कुमारी को शिक्षा-संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए ' ज्ञान सागर

सम्मान ' से अलंकृत किया गया। सम्मान स्वरूप प्रतीक चिह्न एवं अंगवस्त्रम भेंट कर मुँह मीठा कराया गया। इस अवसर उत्कृष्ट सेवा प्रदान करने के लिए विद्यालय के शिक्षकों राकेश श्रीवास्तव, अभिनंदन मिश्रा, नीलू कुमारी, पूजा कुमारी तथा विवेक रंजन को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। मौके पर उपस्थित निजी विद्यालय संगठन के जिलाध्यक्ष संतोष कुमार रौशन एवं जिला सचिव मृत्युंजय कुमार मिश्र सम्मानित हुए। स्कूली बच्चों के पारम्परिक सांस्कृतिक कार्यक्रम ने मन मोह लिया। डीपीआरओ ज्ञानेश्वर प्रकाश ने सांस्कृतिक समारोह का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य डॉ धर्मेंद्र कुमार मिश्रा एवं मंच संचालन मृत्युंजय आजाद ने किया। धन्यवाद ज्ञापन विद्यालय के निदेशक अनवर हुसैन ने किया। गणेश वंदना से शुरुआत हुई।विद्यालय के छात्रों रौनक राज, डिम्पल कुमारी, रौनक सिंह, ज्योति, रौनक कुमार, आरव, तेजस्वी, सुरभि, देवेश, इमाद अहमद, प्रवीण सावनी, आरुषि, पल्लवी रागिनी, शान्वी, जोया परवीन, नाहिदा, अदिति, देवांशी, तपस्या, प्राची प्रिया, आरुषि, आस्था, स्तुति, शामी, संस्कृति आदि छात्रों ने अपनी अपनी प्रस्तुतियां दी।

संपादकीय

अहंकार त्यागने वाले ही महापुरूष होते हैं

बहुत से लोग दिन-रात प्रयास करते हैं कि उन्हें किसी तरह उच्च पद मिल जाए। खूब सारा पैसा हो और आराम की जिन्दगी जियें। जब ये सब प्राप्त हो जाता है तो इसे ईश्वर की कृपा मानने की बजाय अपनी काबिलियत और धन पर इतराने लगते हैं। जबकि संसार में किसी चीज की कमी नहीं है। अगर आप धन का अभिमान करते हैं तो देखिए आपसे धनवान भी कोई अन्य है। विद्या का अभिमान है तो ढूंढ़कर देखिए आपसे भी विद्वान मिल जाएगा। इसलिए किसी चीज का अहंकार नहीं करना चाहिए। जो लोग अहंकार त्याग देते हैं वही महापुरूष कहलाते हैं। महाभारत में कथा है कि दुर्योधन के उत्तम भोजन के आग्रह को ठुकरा कर भगवान श्री कृष्ण ने महात्मा विदुर के घर साग खाया। भगवान श्री कृष्ण के पास भला किस चीज की कमी थी। अगर उनमें अहंकार होता तो विदुर के घर साग खाने की बजाय दुर्योधन के महल में उत्तम भोजन ग्रहण करते लेकिन श्री कृष्ण ने ऐसा नहीं किया। भगवान श्री राम ने शबरी के जूठे बेर खाये जबकि लक्ष्मण जी ने जूठे बेर फेंक दिये। यहीं पर राम भगवान की उपाधि प्राप्त कर लेते हैं क्योंकि उनमें भक्त के प्रति अगाध प्रेम है, वह भक्त की भावना को समझते हैं और उसी से तृप्त हो जाते हैं। अहंकार उन्हें नहीं छूता है, वह ऊंच-नीच, जूठा भोजन एवं छप्पन भोग में कोई भेद नहीं करते। शास्त्रों में भगवान का यही स्वभाव और गुण बताया गया है। महात्मा बुद्ध से संबंधित एक कथा है कि एक बार महात्मा बुद्ध किसी गांव में प्रवचन दे रहे थे।

राधा भट्ट : सम्मान से बड़ा प्रेरणादायक व्यक्तित्व

कुमार कृष्णन

अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त राधा भट्ट का नाम गांधी-विनोबा युग के गांधीवादियों में प्रमुखता से शुमार किया जाता है।इस बार उन्हें पद्म श्री सम्मान से सम्मानित किए जाने की घोषणा हुई है। सम्मान से बड़ा राधा भट्ट का कद है। उत्तराखंड के कौसानी क्षेत्र में पहाड़ी महिलाओं को सशक्त बनाने और महिला, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, शराब विरोधी आंदोलन के लिए पूरा जीवन समर्पित कर दिया। उनके जीवन का सात दशक पहाड़ और पर्यावरण के मुद्दे पर संघर्ष रहा है। उनका संघर्ष उन्हें प्रेरणादायक व्यक्तित्व के अग्रणी श्रेणी लाकर खड़े करती है। यात्राओं के क्रम में सुप्रसिद्ध गांधीवादी राधा भट्ट का सानिध्य मिलना काफी सुखद रहता है। उनसे बहुत कुछ सीखने का मौका मिलता है। वह है जीवन का अनुशासन। असम के कोकराझार से कश्मीर तक की साईकिल यात्रा में मुझे उनके साथ लगातार साथ रहने का अवसर मिला। उन्होने सर्व सेवा संघ, गांधी शांति प्रतिष्ठान के अध्यक्ष पद को सुशोभित किया। लक्ष्मी आश्रम कौसानी की अध्यक्ष राधा भट्ट 70 साल से उत्तराखंड के पहाड़ के लिए लड़ रही हैं। 1957 में भूदान आंदोलन के साथ उनकी पदयात्रा शुरू हुई। बालिका शिक्षा, पर्यावरण, जल, जंगल और जमीन की चिंता जागी। ग्राम स्वराज, शराब आंदोलन, युवा महिला सशक्तिरण और सर्वोदय आंदोलनों में उनकी बढ़-चढ़कर हिस्सेदारी रही है। राधा दीदी ने 18 साल की उम्र में घर छोड़ दिया। उनका जीवन पूरी तरह समाज के लिए समर्पित है। वे वर्तमान में 93 साल की हैं।राधा भट्ट का जन्म 16 अक्तूबर 1933 में कमलापति और रेवती भट्ट के घर हुआ। अल्मोड़ा के पास धुरका गांव में सेना के एक पारंपरिक परिवार में जन्मीं राधा भट्ट को अपनी शिक्षा जारी रखने के लिए संघर्ष करना पड़ा क्योंकि लोग लड़कियों को शिक्षित करने के खिलाफ़ थे। उनके मुताबिक मेरे पिता ने मुझे पाला-पोसा, जिन्होंने प्रचलित रूढ़िवादी मान्यता के खिलाफ़ विद्रोह किया कि चूँकि मैं गलत राशि में पैदा हुई हूँ, इसलिए उन्हें मुझे नहीं देखना चाहिए। उन्होंने मुझे भरपूर प्यार दिया। अपनी माँ के साथ मुझे पहाड़ी महिलाओं की कठिन दिनचर्या का एहसास हुआ, क्योंकि मैं उनके साथ चारा और जलाऊ लकड़ी इकट्ठा करने के लिए दूर-दूर तक जाती थी। उन्होने माध्यमिक शिक्षा पूरी करने के बाद वैवाहिक जीवन की बजाय समाज सेवा को चुना। वह 1951 में सरला बहन के संपर्क में आकर कौसानी आश्रम पहुंचे। वह सरला बहन द्वारा पहाड़ी महिलाओं में शिक्षा और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए स्थापित कस्तूरबा महिला आमंत्रण मंडल में शामिल हुईं।उनके मुताबिक , यह मेरे लिए स्वतः ही आकर्षण था क्योंकि सरला पहाड़ी महिलाएं आत्मनिर्भर, रूमानी और शिक्षित बनना चाहती थीं। मैं उस समय 17 साल की थी और मिशन के लिए काम करने के लिए पूरी ऊर्जा से भरी हुई थी। 1951 में वे 18 साल की उम्र में लक्ष्मी आश्रम कौसानी पहुंच गईं। गरीब घरों की बालिकाओं को पढ़ाना और उन्हें जीवन जीने की कला सीखाने लगीं।वह बालिकाओं में ऐसे रम गईं कि दस साल कब निकल गए। उन्होंने फिर घर की तरफ लौटकर नहीं देखा। सरला भवन की वे अनुयायी बन गईं। 1957 में भू-दान आंदोलन में भाग लिया। उत्तराखंड से पहली पदयात्रा शुरू की। उत्तर प्रदेश और असम में विनोबा भावे के साथ रहीं। 1961 से 1965 तक बंजर गांव, ग्राम स्वराज, शराब विरोधी आंदोलन, वन संरक्षण, युवा महिला सशक्तिकरण, गाय, बकरी चूंगाने वाली किशोरियों के उत्थान और सर्वोदय आदि कामों में व्यस्त रहीं। इस दौरान बौगाड़ में ग्रामीण नव निर्माण का काम किया । नशाबन्दी, वन, टिहरी बाँध तथा खनन विरोधी आन्दोलनों के बाद नदी बचाओ आन्दोलन में सक्रिय हिस्सेदारी रही।

उत्तराखंड के पहाड़ों में 25 बाल मंदिर के जरिए राधा भट्ट ने 15000 बच्चों को फायदा पहुंचाया। इसके साथ ही 1 लाख 60 हजार पेड़ लगाकर पर्यावरण संरक्षण की मशाल भी जलाई।

राधा भट्ट ने उत्तराखण्ड, हिमालय और शेष देश में लगातार यात्राएँ और जनान्दोलनों में शिरकत की। देश और विदेश में गांधी विचार, पर्यावरण, हिमालय, नयी तालीम, तिब्बत और जनान्दोलनों के साथ मानव तथा स्त्री अधिकार पर लगातार बोलती-लिखती रहीं। फिनलैंड डेनमार्क, नार्वे और फिनलैंड में व्यस्क शिक्षा और लोक हाई स्कूल प्रणाली में डिप्लोमा किया। बेरीनाग में स्वराज मंडल की स्थापित की। महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण, खादी ग्रामोद्योग की गतिविधियों को बढ़ाया। 1975 सरला बहन के 75 वें जन्मदिन पर पद यात्रा शुरू की। 75 दिनों की लंबी यात्रा में वन संरक्षण, चिपको आंदोलन, शराब का विरोध और ग्राम स्वराज की स्थापना के लिए लोगों को जागरूक किया। 1976 में देवीधूरा ब्लाक से पदयात्रा शुरू की। 65 गांवों में यह यात्रा पहुंची। 40 बालवाड़ी, 30 महिला संगठन, 12 गांव को कृषि के लिए प्रेरित किया। 1980 में खनन के खिलाफ मोर्चा खोला। 2006 से 2010 तक राधा बहन में उत्तराखंड के हिमालय और नदियों का सर्वेक्षण किया। हाईड्रो पावर परियोजनाओं का विरोध किया। नदी में सुरंग बनाने, विस्फोटकों का इस्तेमाल आदि पर लोगों को जागरूक किया।1980 में कोपेहेगन, डेनमार्क में अंतर्राष्ट्रीय महिला सम्मेलन, 1982 में अमेरिका में गांधी विचार, महिला एवं सामाजिक विकास सम्मेलन में भाग लिया। 1984 में सेंट जेवियर्स विश्वविद्यालय कनाडा में विकास और

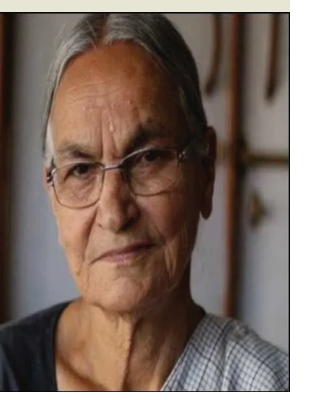

लोगों की पहल कार्यक्रम में भाग लिया। 1987 में रावलपिंडी, पाकिस्तान में दक्षिण एशिया ग्रामीण विकास सम्मेलन में भाग लिया।सभाओं को संबोधित किया।राधा बहन ने 1988 में स्वीडन में दो महीने तक 30 बैठकों को संबोधित किया। पर्यावरण, अहिंसा, महिला सशक्तीकरण पर चर्चा की। 1975 में डनेमार्क में अहिंसा पर तीन महीने का व्याख्यान दिया। 1998 में बीजिंग, चीन में विश्व महिला सम्मेलन में भाग लिया।

वे लक्ष्मी आश्रम, हिमालय सेवा संघ, गांधी स्मारक निधि, कस्तूरबा ट्रस्ट, गांधी शान्ति प्रतिष्ठान, महिला हाट, गुजरात विद्यापीठ आदि से आप सदा अभिन्न रहीं और संस्था निर्माता-पोषक बनीं। राधा बहन ने हिमालय की बेटी किताब भी लिखी है। जिसे जर्मन और डेनिस भाषा में भी प्रकाशित किया गया है। इसके अलावा वे दिन वे लोग भी पुस्तक हैं। यह यात्रा संस्मरण पर आधारित पुस्तक है। उन्हें जमनालाल पुरस्कार, बाल सम्मान, इंदिरा प्रियदर्शनी पर्यावरण, गौदावरी गौरव पुरस्कार आदि से भी सम्मानित किया गया है। उनका मानना है कि गांधी एक शाश्वत विचार है। वे कहतीं हैं गांधी ने एक सेवक की प्रार्थना लिखी थी,जिसे हम भी सायंकालीन प्रार्थना में गाया करते हैं ।हे नम्रता के सागर के विशेष संबोधन से आरंभ होनेवाली प्रार्थना की एक महत्वपूर्ण पंक्ति है तू तभी मदद को आता है ,जब मनुष्य शून्य बनकर तेरी शरण लेता है। मनुष्य के शून्य बनने की घडी की स्पष्ट पहचान और उसका प्रत्यक्ष एहसास मुश्किल से ही होता है,पर जब होता है तो मनुष्य अपनी अहं की शक्ति को भूलकर मदद के लिए पुकारता है। यह स्थिति व्यक्तिगत रूप से भी होती है और एक राष्ट्र के सामूहिक रूप से भी। उनके मुताबिक गांधी ने सिखाया और करके दिखाया कि आम जन की संगठित ,समर्पित प्रतिवद्ध अहिंसक शक्ति में वह ऊर्जा है कि वह हिंसक शक्ति को पराजित कर देती है। गांधी के विचार और दर्शन को समझने की स्थिति महत्वपूर्ण हो जाती है। जनतांत्रिक सरकारों की हिंसा , पूंजी जगत के अपराधियों की हिंसा ,देश की व्यवस्थाओं में लगी बची हिंसा और दलगत राजनीति में बढ़ती हिंसा से समाज निजात पाना चाहने लगा है। आज का जनतंत्र आम जन के हित से अधिक मुट्ठी भर पैसेवालों के पक्ष में चला गया है ।जनता को कोई राह नहीं दिखती ,ऐसे समय में जब मनुष्य शून्य बनकर अंधकार में कुछ खोजने टटोलने लगता है , तब कोई प्रकाश मिलना चाहिए। वह प्रकाश हैं गांधी। हमारा शरीर और जीवन समाज ने बनाया है, हम समाज को क्या दे सकते हैं, यह सिद्धांत होना चाहिए। आज देखे विश्व में हिंसा की पराकाष्ठा है। नशा, नशा का बोलबाला है। ऐसे में युवाओं की देनदारी बढ़ती जाती है। गांधी अपने अंतिम समय तक सोच, विचार और व्यवहार से युवा थे। इसलिए वे आज भी युवाओं के रोल मॉडल हैं। आज पूरी दुनिया कह रही है कि अगर धरती को बचाना है तो गांधी के रास्ते पर चलना होगा।

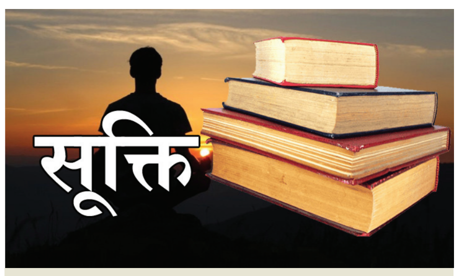

सूक्ति

साहित्य का कर्तव्य केवल ज्ञान देना नहीं है परंतु एक नया वातावरण देना भी है।

- डॉ. राधाकृष्णन सर्वपल्ली

शत्रु का लोहा भले ही गर्म हो जाए, पर हथौड़ा तो ठंडा रहकर ही काम, दे सकता है।

- सरदार पटेले

आज का राशिफल

शुभ संवत 2081, शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, माघ कृष्ण पक्ष, हेमंत ऋतु, गुरु उदय पूर्व शुक्रोदय पश्चिम तिथि चर्तुददर्शी, मंगलवासरे, पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र, व्रज योगे, विव करणे, धनु की चंद्रमा, भद्रा सुबह 1.08 चर्तुदर्शी व्रत, मार्गी गुरु 48.47 तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ होगी|

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, कुशलवक्ता, अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, उत्तमवृत्ति वाला, जिद्दी-हठी तथा ट्रान्पोटर, ट्रक-बस मालिक, वाहन चालक, रेलवे चालक तथा गार्ड आदि होगा।

मेष राशि :- मन में अशांति, किसी परेशानी से बचिये, कुटुम्ब की समस्या में समय बीतेगा।

वृष राशि :- संवेदनशील होने से बचिये नहीं तो अपने किए पर पछताना पड़ेगा, ध्यान रखें।

मिथुन राशि :- मानसिक कार्यों में सफलता से संतोष, धन लाभ, बिगड़े हुए कार्य अवश्य ही बनेंगे।

कर्क राशि :- विरोधी वर्ग का समर्थन फलप्रद हो तथा शुभ-कार्यों के योग अवश्य ही बनेंगे।

सिंह राशि :- व्यवसायिक क्षमता अनुकूल रहे, स्थिति पूर्णनियंत्रण में रहे, कार्य बनेंगे।

कन्या राशि :- सामाजिक कार्यों में प्रभुत्व वृद्धि होगी, धन लाभ, आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा।

तुला राशि :- अधिकारी वर्ग से समर्थन प्राप्त होगा तथा रुके कार्य अवश्य ही बनेंगे।

वृश्चिक राशि :- धन का लाभ, कार्य-कुशलता से संतोष, पराक्रम एवं समृद्धि के योग बनेंगे।

धनु राशि :- स्त्री शरीर कष्ट, चिन्ता, विवाद-ग्रस्त होने से बचिये, कार्य बनने के योग बनेंगे।

मकर राशि :- मनोबल उत्साहवर्धक हो, दैनिक कार्यगति में सफलता अवश्य मिले।

कुंभ राशि :- कार्य-व्यवसाय में उत्तेजना, धन का व्यय एवं शक्ति निष्फल होवेगी।

मीन राशि :- समृद्धि के साधन जुटायें, इष्ट मित्र सुखवर्धक होंगे, समय का ध्यान रखें।

बड़बोले ट्रंप को चीन और मेक्सिको ने दिखाया आईना

सनत जैन

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी राजनीतिक शैली, बड़बोले स्वभाव और विवादास्पद फैसलों के लिए जाने जाते हैं। राष्ट्रपति बनने के बाद उनके कठोर और आक्रामक नीतिगत फैसलों ने वैश्विक मंच पर एक बड़ी अस्थिरता पैदा कर दी है। अमेरिका की साख पर भी सवाल खड़े हो गये हैं। शपथ ग्रहण के कुछ ही दिनों के अंदर मेक्सिको और चीन जैसे देशों ने राष्ट्रपति ट्रंप की एकतरफा नीतियों को सीधे चुनौती देकर यह जता दिया है, कि आज की वैश्विक राजनीति में शक्ति-प्रदर्शन और धमकियों की एक सीमा है। यदि इस सीमा और शक्ति का दुरुपयोग किया जाएगा, तो जवाब मिलना तय है। मेक्सिको ने अमेरिकी सैन्य विमान को अपने देश में उतरने की अनुमति ना देकर ट्रंप की डिपोर्टेशन नीति को बड़ा झटका दे दिया है। यह कदम मेक्सिको की संप्रभुता की रक्षा के लिए लिया गया एक साहसिक निर्णय है। ट्रंप प्रशासन ने अवैध अप्रवासियों को अमेरिका से बाहर निकालने के लिए जिस तरह का दमनकारी रुख अपनाया, वह मेक्सिको समेत कई देशों को अस्वीकार्य लगा। मेक्सिको का यह फैसला ट्रंप की विदेश नीति की विफलता को उजागर करता है। कमजोर समझे जाने वाले देश अपनी संप्रभुता और स्वाभिमान के लिए दृढ़ रह सकते हैं। इसका पुरजोर जवाब भी दे सकते हैं। इसी तरह से चीन ने ट्रंप प्रशासन को ढंग से रहिए जैसी सख्त भाषा का इस्तेमाल कर कड़ा संदेश दे दिया। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप चीन को लेकर जिस तरह के बयान दे रहे थे, उससे लगता था, चीन अमेरिका का गुलाम है। राष्ट्रपति ट्रंप की भाषा गुंडों जैसी थी। उसी भाषा में चीन ने जवाब दे दिया। चीन प्रशासन का यह बयान अमेरिका-चीन संबंधों में बढ़ते तनाव का कारण बन रहा है। ट्रंप के व्यापारिक दबाव और मानवाधिकार पर आधारित आलोचनात्मक रुख को चीन ने खारिज कर दिया है। स्पष्ट है कि चीन, अमेरिका की दादागीरी के आगे झुकने के स्थान पर मुकाबला करने के लिए तैयार है। आज चीन का सस्ता सामान दुनिया भर में निर्यात हो रहा है। अमेरिका से ज्यादा देशों के चीन के साथ व्यापारिक, सामरिक एवं कारोबारी संबंध हैं। चीन और मेक्सिको ने अमेरिका को जवाब देकर यह स्पष्ट कर दिया है, वे अमेरिका से डरने वाले नहीं हैं। वैश्विक संबंध केवल शक्ति-प्रदर्शन या धमकियों पर आधारित नहीं रह सकते। एक राजा को दूसरे राजा के साथ किस तरह का व्यवहार करना चाहिए। यह अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप को सीखना होगा। हर देश अपनी संप्रभुता और सम्मान के लिए लड़ने को तैयार है। ट्रंप का मानना है, कि उनकी आक्रामक नीतियां विश्व को अमेरिका के सामने झुकने पर मजबूर कर देंगी, इन दो घटनाओं से अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप को सबक लेना चाहिए। भारत को चीन और मेक्सिको देशों से इन परिस्थितियों से प्रेरणा लेने की जरूरत है। मेक्सिको और चीन ने साबित किया है, कूटनीति में आत्मसम्मान और दृढ़ता का होना आवश्यक है। बिना इसके कोई भी राष्ट्र सुरक्षित नहीं हो सकता है। झुककर या दबाकर रिश्ते क़ायम नहीं रखे जा सकते हैं। यह समय है, भारत अपने स्वाभिमान को प्राथमिकता देते हुए वैश्विक मंच पर एक सशक्त राष्ट्र के रूप में खड़ा हो। केवल विश्व गुरु कह देने से बात बनने वाली नहीं है। विश्व गुरु बनने के लिए सशक्त विचार और मुकाबला करने की ताकत भी महत्वपूर्ण है। 1971 में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अमेरिका का जिस तरह से मुकाबला किया था। उससे अमेरिका और अन्य शक्तिशाली राष्ट्र भी हतप्रभ थे। 1980 के बाद अमेरिका जैसे राष्ट्र को भारत के साथ अपने संबंध सुधारने पड़े। तत्कालीन राष्ट्रपति रीगन को इंदिरा गांधी का सम्मान करने के लिए स्वयं उनकी कार तक आना पड़ा था। सम्मान उन्हीं को मिलता है, जो अपने कार्यों से सामने वाले को प्रभावित करते हैं। झुकने और समझौता करने वालों को कभी कोई सम्मान नहीं मिलता है। यह दुनिया का इतिहास है। भारत जिस तरह से अमेरिका के सामने हाथ जोड़कर खड़ा है। अवैध रूप से गए हुए भारतीयों को वापस लेने के लिए स्वयं सहमत हो रहा है। इससे भारत की इज्जत पूरी दुनिया में कम हो रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपना सबसे अच्छा मित्र बताते थे। दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद वह भारत के साथ जिस तरह का व्यवहार कर रहे हैं, ऐसा व्यवहार तो दुश्मन भी अपने दुश्मन देश से नहीं करता है। अमेरिका के बड़बोले राष्ट्रपति ट्रंप को दुनिया के देशों से चुनौतियां मिलने की शुरुआत हो चुकी है।

भारत कब स्वाधीन हुआ

राम पुनियानी

सांसद और बॉलीवुड कलाकार कंगना रनौत ने भारत की स्वतंत्रता के संबंध में अपनी समझ को पहली बार तब जाहिर किया था जब उन्होंने हमें बताया था कि भारत दरअसल 2014 में तब स्वतंत्र हुआ जब मोदी जी ने देश की सत्ता संभाली। 2014 में पहली बार भाजपा को अपने दम पर लोकसभा में बहुमत हासिल हुआ था। इस टिप्पणी का क्या अर्थ था? इसका अर्थ यह था कि 2014 से पहले तक भारत एक गुलाम देश था। या तो वह विदेशी शासकों का गुलाम था या ऐसी सरकारों का जो धर्मनिरपेक्ष और प्रजातांत्रिक मूल्यों की पैरोकार थीं। कंगना रनौत का मतलब था कि मोदी सरकार के आते ही हिन्दू राष्ट्रवाद का देश में बोलबाला हो गया और यही भारत की असली आजादी थी। एक अन्य फिल्म कलाकार विक्रांत मैसी ने हाल में यही बात दोहराते हुए कहा कि भारत को आजादी सन 2015 में हासिल हुई जब 'हमें' अपनी हिन्दू पहचान को अभिव्यक्त करने की स्वतंत्रता मिली। अब आरएसएस के मुखिया मोहन भागवत ने देश के 'असली स्वतंत्रता' हासिल करने की एक नई तारीख घोषित कर दी है। मध्यप्रदेश के इंदौर में एक कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा कि भारत को 22 जनवरी 2024 को आजादी मिली थी। उन्होंने कहा कि "इस दिन को प्रतिष्ठा द्वादशी व भारत के असली स्वाधीनता दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए।" उन्होंने कहा कि "भारत को कई सदियों तक विदेशी हमलों का सामना करना पड़ा और इन हमलों से उसे 22 जनवरी 2024 को स्वतंत्रता मिली।" उन्होंने यह भी कहा कि "भगवान राम, कृष्ण और शिव के आदर्श और जीवनमूल्य भारत के 'स्व' का हिस्सा हैं और ऐसा नहीं है कि ये केवल उन लोगों के देव हैं जो उनकी आराधना करते हैं।" भागवत ने आगे बताया कि बाहरी हमलावरों ने देश के मंदिरों को नष्ट किया ताकि भारत का 'स्व' मर जाए। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को हमारी सारी सामाजिक समस्याओं का हल बताते हुए भागवत ने कहा कि "मैं लोगों से पूछता हूँ कि 1947 में स्वतंत्रता हासिल करने के बाद से ही हमने समाजवाद की बात कही, हमने गरीबी हटाओ का नारा दिया, हम लगातार यह कहते रहे कि हमें लोगों की आजीविका की चिंता है। मगर इस सब के बाद भी 1980 के दशक में भारत कहाँ था और इजराईल और जापान जैसे देश कहाँ पहुंच गए थे।" आरएसएस के मुखिया ने यह भी कहा कि वे ऐसे लोगों से कहा करते थे कि उन्हें यह याद रखना चाहिए कि "खुशहाली और रोजगार का रास्ता भी राम मंदिर से होकर जाता है।" भागवत तो कंगना रनौत और विक्रांत मैसी से एक कदम और आगे बढ़ गए हैं। वे बाबरी मस्जिद को ढहाने के अपराध को औचित्यपूर्ण ठहराना चाहते हैं। वे इस देश की विविध सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं को दरकिनार कर केवल भगवान राम को देश का एकमात्र सांस्कृतिक प्रतीक साबित करना चाहते हैं। हिन्दू धर्म में भी शिव, कृष्ण और काली जैसे अन्य देवी-देवता हैं। फिर हमें भगवान महावीर, गौतम बुद्ध, नानक और कबीर की परंपराओं को भी याद रखना होगा। वे भी उस विशाल कैनवास का हिस्सा हैं जिसे हम भारत कहते हैं। जेनेटिक अध्ययनों से यह साफ है कि आर्य भी बाहर से भारत आए थे और उनके आने से पहले इस भूमि पर अन्य लोग रहते थे। भारत में आने वाले अलग-अलग नस्लों और क्षेत्रों के लोगों को केवल आक्रांता बताना ठीक नहीं है। चोल राजा श्रीलंका पर राज करते थे। सिकंदर ने भी भारत को जीतने की कोशिश की थी। शक, हूण, खिलजी और मुगल - ये सभी भारतीय उपमहाद्वीप का हिस्सा थे। इन सब को सम्प्रदायवादी 'हमारी' सभ्यता पर हमला करने वालों के रूप में देखते हैं। जबकि भारत की स्वाधीनता के लिए लड़ने वाले इस ऐतिहासिक प्रक्रिया को विविध लोगों का एक दूसरे के साथ घुलमिल जाना मानते थे। वे यह भी मानते थे कि इसी कारण भारत की नींव विविधताओं से भरी हुई है। जवाहरलाल नेहरू ने इस स्थिति का बहुत सारगर्भित वर्णन किया है। उन्होंने भारत को एक ऐसी प्राचीन स्लेट बताया है जिस पर एक के बाद एक कई परतों में विचार और आकांक्षाएं दर्ज किए गए। मगर कोई भी परत न तो पिछली परतों को पूरी तरह ढंक सकी और न ही उनमें लिखे को मिटा सकी। आरएसएस के मुखिया के अनुसार आक्रांता मंदिरों को गिराकर हमारी आत्मा को कुचलना चाहते थे। मध्यकालीन भारत और देश के प्राचीन इतिहास के अंतिम दौर में मंदिरों को केवल सत्ता और दौलत के लिए ढहाया गया। इसके पहले ब्राह्मणवाद के चलते जैन और बौद्ध आराधना स्थलों को ढहाया गया था। इसलिए मंदिरों को गिराने के लिए केवल मुस्लिम शासकों का दानवीकरण करना उचित नहीं है। मगर मुसलमानों के खिलाफ नफरत फैलाने के लिए कई तरह के मिथक गढ़ लिए गए हैं, जिनका सच से कोई लेना-देना नहीं है। इस संदर्भ में दो उदाहरण पर्याप्त होंगे। जहां औरंगजेब ने करीब 12 मंदिरों को गिराया वहीं उसने सैंकड़ों हिन्दू मंदिरों को दान भी दिया और कश्मीर के 11वीं सदी के शासक राजा हर्षदेव के दरबार में एक अधिकारी का काम केवल यह था कि वो मंदिरों की मूर्तियां उखाड़कर उनके नीचे जमा सोने और हीरे-जवाहरात के खजाने को खोद निकाले। भागवत और उनके जैसे अन्य लोग भारत को एक संकीर्ण ब्राह्मणवादी नजरिए से देखते हैं। भारत को एक राष्ट्र का स्वरूप ब्रिटिश औपनिवेशिक काल में मिला। केवल यही वह काल था जिसे हम भारत की गुलामी का दौर कह सकते हैं। उसके पहले जो आक्रांता यहां आए वे यहीं बस गए और देश के सांस्कृतिक जीवन का अंग बन गए। उनकी पीढ़ियां भारत की धरती पर ही दफन हैं। अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो की नीति के चलते यह प्रचार किया गया कि हमलावरों ने भारत को लूटा और मंदिरों को नष्ट किया। अंग्रेजों के पहले के भारतीय शासक देश की संपत्ति को बाहर नहीं ले गए। केवल अंग्रेज ही भारत से संपत्ति को लूटकर उसे इंग्लैंड ले गए जिससे भारत कंगाल हो गया। अंग्रेजों ने भारत को गुलाम बनाया और उनके विरूद्ध जो संघर्ष हुआ केवल उसे ही स्वाधीनता संग्राम कहा जा सकता है और कहा जाना चाहिए। स्वाधीनता संग्राम के नतीजे में 15 अगस्त 1947 को भारत आज़ाद हुआ और 26 जनवरी 1950 को हमारे देश में हमारा अपना नया संविधान लागू हुआ। जो लोग 15 अगस्त 1947 के अलावा किसी भी दूसरी तारीख को भारत के स्वतंत्र होना की तारीख बताते हैं वे दरअसल धार्मिक राष्ट्रवादी हैं और स्वाधीनता, समानता और बंधुत्व के उन मूल्यों में आस्था नहीं रखते जो हमारे संविधान का आधार है और जो स्वाधीनता संग्राम से उपजे थे। भागवत ने देश की समृद्धि के बारे में भी अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि "हमने हमेशा समाजवाद, रोजगार, और गरीबी की बात की लेकिन हुआ क्या। हमारे साथ चले जापान और इजराईल आज कहां से कहां पहुंच गए।"

सूडोकु नवताल- 7324

✶✫✫✫✫ सरल

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.

■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.

■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .

■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7323 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

मोहन की भगवत का नया अध्याय बंधु भाव

राकेश अचल

मेरी समझ में आजतक नहीं आया कि ये देश किसकी बात पर भरोसा करे ,आरएसएस प्रमुख डॉ मोहन भगवत की बात पर या प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र दामोदर दस मोदी की बात पर ? दोनों के सुर हर दिन बदल जाते हैं ,ठीक मौसम की तरह। संघ प्रमुख डॉ मोहन भगवत ने गणतंत्र दिवस पर कह दिया कि असली धर्म बंधु भाव है। अर्थात सनातन या हिन्दू धर्म असली धर्म नहीं रहा ,जिसके लिए ममता कुलकर्णी ने सन्यास लिया और महामंडलेश्वर बनीं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) प्रमुख मोहन भागवत ने महाराष्ट्र के ठाणे में भिवंडी के एक महाविद्यालय में गणतंत्र दिवस समारोह में तिरंगा फहराने के बाद कहा कि - बंधुभाव ही असली धर्म है। उन्होंने कहा कि यह बात डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर ने संविधान देते समय अपने भाषण में भी समझाई है।भागवत ने कहा- समाज आपसी सद्भावना के आधार पर काम करता है। इसलिए मतभेदों का सम्मान किया जाना चाहिए। प्रकृति भी हमें विविधता देती है। विविधता के कारण भारत के बाहर संघर्ष हो रहे हैं। हम इसे जीवन का हिस्सा मानते हैं।उन्होंने कहा कि आपकी अपनी विशेषताएं हो सकती हैं, लेकिन आपको एक-दूसरे के प्रति अच्छा व्यवहार करना चाहिए। अगर आप जीना चाहते हैं, तो आपको एक साथ रहना चाहिए।

मेरी समझ में ये नहीं आता कि जो बात डॉ भागवत देश को समझा रहे हैं वो ही बात वे संघ दीक्षित भाजपा नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं कि साथ असंघी योगी आदित्यनाथ को क्यों नहीं समझाते ? योगी ही हैं जिन्होंने देश कि हिन्दुओं को बँटोगे तो कटोगे का सनातन सूत्र दिया है।ये नारा तो बंधु भाव की सोच से मेल ही नहीं खाता। संघ का कोई नारा भाजपा के नारों से मेल नहीं खाता। क्या दोनों में सचमुच कोई तालमेल है ही नहीं या ये सब एकसाजिश है कि -एक आग लगाए और दूसरा आग पर पानी डालने का अभिनय करे। आपको याद होगा कि पिछले दिनों डॉ भागवत ने देशवासियों से असली आजादी 22 जनवरी को मनाने का आव्हान किया था। 22 जनवरी को अयोध्या में राममंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह था। भागवत धर्मांतरण ,मस्जिदों की खुदाई और मुसलमान तथा ईसाइयों को आंतरिक दुश्मन माने जाने पर अंतर्विरोधी ब्यान दे चुके हैं। उनके बयानों से उनके ही जगतगुरु रामभद्राचार्य महाराज तक विरोध जता चुके हैं। वे कभी डीप स्टेट, वोकिजम और कलचरल मार्क्सिस्ट को सांस्कृतिक परम्पराओं के घोषित शत्रु कहते हैं। तो कभी बांग्लादेश में हुए हिंदुओं पर अत्याचार का भी मुद्दा उठाते हुए कहते हैं कि दुर्बल रहना अपराध है, इसलिए हिंदुओं को एकजुट होने की जरूरत है। मेरी समझ में ये नहीं आता की डॉ भागवत किसी सांस्कृतिक -सामाजिक संगठन के मुखिया हैं या किसी राजनीतिक संगठन के । आपकी समझ में आता हो तो मुझे भी बताइये। मुझे लगता है कि डॉ भागवत के विवादास्पद और अंतर्विरोधी भाषण सुन-सुनकर अब शाखामृग और भाजपा के देवतुल्य कार्यकर्ता और नेता भी दिग्भर्मित हो गए हैं। वे समझ नहीं पा रहे हैं है कि उन्हें बंधु भाव के लिए काम करना है या हिंदुत्व भाव के लिए। डॉ भागवत को चाहिए कि वे पल=पल में अपना स्टेण्ड न बदलें। पल-पल में स्टेण्ड हो या रंग, केवल और केवल गिरगिट अपना रंग बदलता है। मै डॉ भागवत को गिरगिट कहने की हिमाकत कर नहीं सकता। ये काम कांग्रेसियों का है। आप मुझे भी शौक से कूढ़ मगज कह सकते हैं ,क्योंकि मुझे डॉ भागवत समझ में ही नहीं आते । वे दादा कोंडके की तरह द्विअर्थी बातें करते हैं। यानि वे देश को और अपने शाखा मृगों को ये सुविधा देते हैं कि उनके भाषणों से जो जैसा अर्थ निकलना चाहे निकल ले।ये सुविधा आपको दादा नरेंद्र यदि या योगी आदित्यनाथ कि भाषणों को समझने के लिए नहीं दी गयी है। डॉ भागवत पशु चिकित्स्क होकर ऐसी मजेदार बातें करते हैं ,कल्पना कीजिये यदि वे आदमियों के डाक्टर होते तो क्या होता ? मै प्रतीक्षा कर रहा हूँ उस दिन की जब डॉ भागवत महाकुम्भ में ममता कुलकर्णी की तरह अचानक प्रकट होकर फिर देश को कोई ज्ञान बाँटेंगे । कुम्भ है ही ज्ञान बाँटने की जगह । मुझे तो लगता है कि डॉ भागवत को महाकुम्भ कि दौरान इधर-उधर भागने के बजाय संगम तट पर कल्पवास करना चाहिए था। वे महाकुम्भ में आरएसएस का तम्बू भी लगाते तो और भी बेहतर होता। ध्यान रहे की अभी तक डॉ भागवत की कुम्भ स्नान करते हुए कोई तस्वीर सामने नहीं आयी है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

पाक-वेस्टइंडीजः

वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान में 34 साल बाद जीता टेस्ट

मुल्तान, एजेंसी। वेस्टइंडीज ने 34 साल बाद पाकिस्तान में टेस्ट मैच जीतने का इतिहास रच दिया और इसमें जमेल वॉरिकन ने दूसरी पारी में शानदार गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट लेकर अहम भूमिका अदा की।

इसके साथ ही सोमवार को मुल्तान क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए सीरीज के दूसरे और आखिरी मैच में वेस्टइंडीज ने 120 रन से जीत दर्ज की। पाकिस्तान ने तीसरे दिन 244 रनों का पीछा करते हुए 76/4 से आगे खेलना शुरू किया, लेकिन वॉरिकन, सिंक्लेयर और गुडाकेश मोती की घातक गेंदबाजी के सामने 44 ओवरों में 133 रनों पर ढेर हो गई। यह जीत वेस्टइंडीज की पाकिस्तान में 1990 के बाद पहली टेस्ट जीत थी। वॉरिकन ने चौथी पारी में 5-27 के आंकड़े के साथ मैच खत्म किया और सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने। उन्होंने पूरे मैच में 9-70 के शानदार आंकड़े हासिल किए और वेस्टइंडीज ने इस जीत से दो मैचों की सीरीज बराबर कर ली। तीसरे दिन वेस्टइंडीज की जीत की उम्मीदें तब मजबूत हुईं, जब साउद शकील सिंक्लेयर की घूमती गेंद पर पहली स्लिप में कैच दे बैठे। अगले ही ओवर में वॉरिकन ने काशिफ अली को आउट कर पाकिस्तान को बड़ी मुसीबत में डाल दिया। मोहम्मद रिजवान और सलमान अली आगा ने थोड़ी देर तक टिककर 39 रनों की साझेदारी की, लेकिन वॉरिकन ने एक नीची रहती गेंद से सलमान को एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया। फिर उन्होंने रिजवान को बोल्ड किया, और मोती ने नोमान अली को मिड-ऑफ पर कैच आउट कराया।

इसके बाद वॉरिकन ने वापस आकर साजिद खान को आउट किया और अपनी मशहूर थाई-फाइव सेलिब्रेशन की।

आईसीसी की साल की सर्वश्रेष्ठ महिला एकदिवसीय क्रिकेटर चुनी गईं स्मृति मंधाना

दुबई, एजेंसी। भारत की करिश्माई सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना को सोमवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की 2024 की साल की सर्वश्रेष्ठ महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर चुना गया। भारत की उप कप्तान मंधाना ने 2024 में 13 पारियों में 747 रन बनाए जो किसी कैलेंडर वर्ष में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। बाएं हाथ की यह बल्लेबाज 2024 में सबसे अधिक रन बनाने वाली बल्लेबाज रहीं। उन्होंने इस दौड़ में दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोलवार्ट (697 रन), इंग्लैंड की टैमी ब्युमोंट (554 रन) और वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज (469 रन) को पीछे छोड़ा। उन्होंने इस दौरान वनडे में चार शतक जड़कर महिला क्रिकेट का नया रिकॉर्ड कायम किया। उन्होंने इसके साथ सौ से अधिक बार गेंद को बाउंड्री पार पहुंचाया। मंधाना ने 2024 में 95 चौके और छह छक्के जड़ें।

इस 28 साल की बल्लेबाज ने 57.86 की शानदार औसत के अलावा 95.15 की प्रभावशाली स्ट्राइक रेट से रन बनाये। उन्होंने बेहतर गेंदबाजी इकाई वाली टीमों के खिलाफ भी कई बड़ी पारियां खेली। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जून 2024 में उन्होंने लगातार दो शतक लगाये। भारत ने इस श्रृंखला को 3-0 से जीता था। उन्होंने अक्टूबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ भी श्रृंखला के निर्णायक मैच में शतक लगाया था।

मंधाना ने दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में भी शतक जड़ा था लेकिन उनकी शानदार पारी के बावजूद टीम को हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में एक छोर से विकेटों के पतन के बीच मंधाना ने 14 चौके और एक छक्के की मदद से 105 रन बनाए थे।

इयान चैपल ने ICC को धोया, बोले- यह क्रिकेट नहीं चलाती, इवेंट मैनेजमेंट कंपनी है

नई दिल्ली, एजेंसी।ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चैपल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद को एक ''इवेंट मैनेजमेंट कंपनी करार देते हुए कहा है कि आर्थिक रूप से मजबूत बोर्ड टेस्ट क्रिकेट के हितों को नुकसान पहुंचाते हुए अपने स्वार्थ के लिए कार्यक्रम तैयार कर रहे हैं। चैपल का यह भी मानना है कि टेस्ट क्रिकेट के लिए एक व्यवहार्य दो-स्तरीय प्रणाली अब तक लागू कर देंनी चाहिए थी, लेकिन उन्होंने इसके साथ ही कहा कि खेल के पारंपरिक प्रारूप को प्रासंगिक बनाए रखने के लिए अन्य महत्वपूर्ण कदम भी उठाए जाने चाहिए। चैपल ने कहा कि द्विस्तरीय टेस्ट प्रणाली के विषय पर, वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाजी चैंपियन माइकल होल्डिंग ने कहा, अपनी सभी गलतियों के बावजूद फीफा कम से कम फुटबॉल का संचालन तो करता है।

आईसीसी को भी क्रिकेट का संचालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे एक जटिल समस्या जुड़ी है। आईसीसी क्रिकेट का संचालन नहीं करती है और जब तक कोई बड़ा हृदय परिवर्तन नहीं होता है तब तक आर्थिक रूप से संपन्न देश अपने स्वार्थ के लिए कार्यक्रम तैयार करते रहेंगे। चैपल हालांकि इस बात से सहमत हैं कि खेल के वित्तीय इंजन भारत का प्रभाव उनके योगदान के अनुरू है। उन्होंने कहा कि भारत क्रिकेट की आय में लगभग 70 प्रतिशत का योगदान देता है और आईसीसी में उसकी मजबूत उपस्थिति इस योगदान के अनुरूप है। यह एक जटिल मुद्दा है जिसका क्रिकेट को कोई व्यावहारिक समाधान नहीं मिला है। टेस्ट क्रिकेट को दो भागों में विभाजित करने के प्रस्ताव पर चर्चा चल रही है, जिससे भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसी बड़ी टीमों को एक दूसरे के खिलाफ अधिक मैच खेलने के मौके मिलेंगे।

राजकोट में टीम इंडिया का राजयोग, फिर दिखेगा 752 दिन पुराना कमाल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच 5 टी-20 की सीरीज का तीसरा मैच राजकोट में खेला जाना है. राजकोट, भारत के उन मैदानों में हैं, जहां पर टीम इंडिया का राजयोग है. मतलब ये कि वहां भारतीय टीम का टी-20 फॉर्मेट में रिकॉर्ड बेहतर है. टीम इंडिया ने 2020 के बाद राजकोट में एक भी टी-20 मुकाबला नहीं गंवाया है. और, अब उसी सिलसिले को वो इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी-20 मैच में भी बरकरार रखना चाहेगा. राजकोट टी-20 इंग्लैंड के नजरिए से ज्यादा अहम मैच है. क्योंकि, यहां उसके हारने का मतलब होगा, सीरीज को गंवा देना. मगर अपनी हार को टालने के लिए उसे राजकोट में टीम इंडिया के राजयोग को खत्म करना होगा. मतलब उसे इस मैदान पर पहली हार का स्वाद चखाना होगा.

राजकोट में पहली बार खेलेगी इंग्लैंड

लेकिन, जॉस बटलर की टीम के लिए क्या ऐसा कर पाना संभव होगा? इंग्लैंड ने तीसरे अ की अपनी प्लेइंग इलेवन का ऐलान कर दिया है. और उन्हीं खिलाड़ियों पर भरोसा जताया है, जो दूसरे अ में खेलते दिखे थे. चेन्नई में खेला दूसरा अ इंग्लैंड नहीं जीत सकी थी. और अब राजकोट में इंग्लैंड की टीम पहली बार खेलती दिखेगी, जिससे कि उनके यहां जीतने को लेकर और भी संशय पैदा होता है.

राजकोट में टीम इंडिया का हैरतअंगेज रिकॉर्ड

इंग्लैंड के लिए जीत दूर की कौड़ी इसलिए भी दिख रही है क्योंकि टीम इंडिया का राजकोट में रिकॉर्ड बेहतर है. 2020 के बाद भारतीय टीम का राजकोट में 100 फीसद जीत का रिकॉर्ड है. उसने 2 मुकाबले खेले हैं और दोनों ही जीते हैं. वहीं राजकोट में भारतीय टीम के ओवरऑल प्रदर्शन को भी देखें तो यहां खेले 5 टी-20 में उसने 4 जीते हैं. यानी सिर्फ एक मैच में ही उसे हार का सामना करना पड़ा है. इंग्लैंड के लिए भारत के इस जबरदस्त आंकड़े के आगे राजकोट में अपनी जीत की डफली बजाना आसान नहीं होगा. खासकर तब जब वो सीरीज में 0-2 से पिछड़ रही हो और दबाव में हो.

752 दिन पहले राजकोट में क्या हुआ था?

वैसे इंग्लैंड के लिए राजकोट में टीम इंडिया की जीत के आंकड़े ही डराने वाले नहीं हैं. बल्कि उसके कप्तान सूर्यकुमार यादव का घातक प्रदर्शन भी जी का जंजाल बन सकता है. सूर्यकुमार यादव ने राजकोट में एकमात्र अमुकाबला श्रीलंका के खिलाफ 7 जनवरी 2023 को खेला था. 752 दिन पहले खेले उस मुकाबले में सूर्या ने अकेले ही श्रीलंका को मसलकर रख दिया था और भारत को 91 रन से मिली जीत के हीरो बने थे.

सूर्यकुमार यादव ने खेली थी तूफानी पारी

सूर्यकुमार ने राजकोट में खेली अपनी इकलौती अ पारी में 9 छक्के और 7 चौके के साथ सिर्फ 51 गेंदों पर 112 रन बनाए थे. फिलहाल तो सूर्या आउट ऑफ फॉर्म हैं. लेकिन, क्या पता पुरानी यादों को संजोए सूर्यकुमार राजकोट में जब उतरें तो उनका दिन बन जाए और फिर वो वैसे ही रनों की झड़ी लगा दें. अगर ऐसा होता है तो फिर इंग्लैंड के लिए जीत दूर की कौड़ी ही है.

प्रीमियर लीगः

मार्टिनेज की स्ट्राइक ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को फुलहम पर 1-0 से जीत दिलाई

लंदन, एजेंसी। लिसांद्रो मार्टिनेज के डिफ्लेक्टेड शॉट ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को फुलहम के खिलाफ 1-0 की जीत दिलाई। यह हार फुलहम के लिए 23 नवंबर के बाद अपनी घरेलू जमीन पर पहली हार थी।

अर्जेंटीना के खिलाड़ी मार्टिनेज ने खेल के 78वें मिनट में गोल किया। यह मैच वेस्ट लंदन में हुआ, जो काफी कड़ा मुकाबला था। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने क्रेवेन कॉटेज में अपने पिछले आठ मैच जीते हैं, यह सिलसिला दिसंबर 2011 से जारी है। इस सीजन की तीसरी बाहर की जीत से यूनाइटेड अंक तालिका में 12वें स्थान पर पहुंच गया है। अब टीम का ध्यान व्यस्त जनवरी में यूईएफए यूरोपा लीग पर है। गुरुवार को यूनाइटेड की टीम रोमानिया में एफसीएसबी के खिलाफ खेलेगी। अगर यह मैच जीता तो यूनाइटेड प्रतियोगिता के राउंड ऑफ 16 में जगह बना लेगा।

मैच के पहले हाफ में यूनाइटेड ने केवल एक शॉट लगाया, जबकि फुलहम का प्रदर्शन बेहतर रहा। एलेक्स इवोबी ने सबसे ज्यादा प्रभाव छोड़ा और दो बार यूनाइटेड के गोलकीपर आंद्रे ओनाना को परेशान किया। वहीं, राउल जिमेनेज के कुछ शॉट्स क्रॉसबार के ऊपर चले गए। दूसरे हाफ में भी खेल का पैटर्न लगभग वैसा ही रहा। हालांकि, कुछ यूनाइटेड फैंस को लगा कि ब्रूनो फर्नांडेज की 20 गज की दूरी से फ्री-किक गोल में चली गई, लेकिन गेंद साइड-नेटिंग में थी। आखिरकार, किस्मत ने यूनाइटेड का साथ दिया। गारनाचो ने डिफेंडर को छकाते हुए पास दिया और चोटिल उगार्टे की जगह आए कॉलियर गेंद तक नहीं पहुंच सके, लेकिन मार्टिनेज ने आत्मविश्वास से कदम बढ़ाकर शानदार गोल कर दिया। आखिरी मिनटों में फुलहम ने बराबरी की कोशिश की। जोआचिम एंडरसन ने एक कॉर्नर पर अच्छी फ्लिक लगाई, लेकिन गोल नहीं हो सका। खेल से केवल दो मिनट पहले रॉड्रिगो म्यूनिज का शॉट गोलपोस्ट के ऊपर चला गया। इसी बीच यूनाइटेड ने एक काउंटर-अटैक पर अमद ने गोल किया, लेकिन वीएआर ने इसे ऑफसाइड करार दिया। आखिरकार यूनाइटेड ने बची हुई सेकंड्स में अपनी बढ़त बनाए रखी और तीन अहम अंक अपने नाम किए।

आईसीसी के साल के सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय पुरुष क्रिकेटर चुने गए अजमतुल्लाह उमरजई

दुबई, एजेंसी7 अफगानिस्तान के हरफनमौला खिलाड़ी अजमतुल्लाह उमरजई को सोमवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का 2024 का साल का सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय पुरुष क्रिकेटर चुना गया। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज और आक्रामक बल्लेबाज उमरजई ने 2024 में अफगानिस्तान की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

24 साल के उमरजाई ने 2023 के अपने शानदार प्रदर्शन को आगे बढ़ाया और पिछले साल दुनिया के अग्रणी एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों में शामिल रहे। उमरजई ने टी20 अंतरराष्ट्रीय और फ्रेंचाइजी क्रिकेट में भी शानदार प्रदर्शन किया लेकिन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वह सबसे प्रभावशाली साबित हुए। वह रहमानुल्लाह गुरबाज के बाद अपनी राष्ट्रीय टीम के लिए दूसरे सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज और एएम गजनफर के बाद दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। अफगानिस्तान ने 2024 में अपनी पांच में से चार एकदिवसीय श्रृंखलाएं जीतीं।

मोहम्मद सिराज क्या इस हसीना को कर रहे डेट

नई दिल्ली, एजेंसी। सोशल मीडिया पर भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद सिराज और अभिनेत्री-गायिका जानाई भोसले के बीच डेटिंग की खबरें चल रही हैं। जानाई प्रतिष्ठित गायिका आशा भोसले की पोती हैं। जानाई ने बीते दिनों मुंबई के बांद्रा में अपने 23वें जन्मदिन समारोह की तस्वीरें साझा की जिसमें वह सिराज के साथ बेहद खुश नजर आ रही हैं।

दोनों के बीच केमिस्ट्री देखकर फैंस अंदाजा लगा रहे हैं कि उनमें बीच दोस्ती से अधिक कुछ और भी है। दोनों एक-दूसरे को गर्मजोशी भरी मुस्कान के साथ देख रहे हैं जिसे नजरअंदाज करना बेहद मुश्किल दिखता है। उक्त पोस्ट में जानाई अपनी दादी आशा भोंसले, अभिनेता जैकी श्रॉफ और क्रिकेटर सिद्धेश लाड और श्रेयस अय्यर के साथ भी दिख रही हैं। अपनी दादी आशा भोंसले के साथ केक काटती जानाई।

जानाई की उक्त पार्टी में श्रेयस अय्यर भी पहुंचे थे।

पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल होते ही क्रिकेअ फैंस के कमेंट्स की बहार आ गई। कुछेक प्रशंसकों ने तो हंसी मजाक में जानाई को भाभी (भाभी) तक करार दे दिया। एक यूजर ने मजाकिया अंदाज में पूछा- क्या आप सिराज भाईजान से शादी करने जा रहे हैं? वहीं, दूसरे ने लिखा- डीएसपी साहब ऐसे हैं - यहां मैं पिगल गया। एक ने लिखा- यहां डीएसपी गिरफ्तार हो गए हैं। बता दें कि सोशल मीडिया पर मोहम्मद सिराज को डीएसपी भी कहा जाता है क्योंकि बीते साल ही टी20 विश्व कप 2024 जीतने के बाद तेलंगाना सरकार की ओर से डीएसपी बना दिया गया था। अक्सर मैच के दौरान जब सिराज विकेट लेते हैं तो सोशल मीडिया पर उनके डीएसपी से जुड़े मीम्स ही बनते हैं।

जानाई भोसले छत्रपति शिवाजी महाराज पर केंद्रित एक फिल्म से अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने के लिए तैयार हैं, और उनके जन्मदिन समारोह में क्रिकेटरों के साथ-साथ फिल्म और टेलीविजन उद्योग के सितारों सहित कई उल्लेखनीय अतिथि शामिल हुए।

जानाई की बर्थडे पार्टी में भारत के स्टार क्रिकेटर श्रेयस अय्यर भी नजर आए। उनके जन्मदिन समारोह में उपस्थित लोगों में अभिनेता जैकी श्रॉफ सिद्धेश लाड, सुयश प्रभुदेसाई, पूर्व बिग बॉस प्रतियोगी आयशा खान और मुंज्या स्टार अभय वर्मा भी शामिल थे।

दुनिया एक नंबरी तो तिलक वर्मा तीन नंबरी- पाकिस्तानी क्रिकेटर ने भारत के युवा बल्लेबाज के लिए आखिर क्यों कहा ऐसा

नई दिल्ली, एजेंसी। चेन्नई में इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी-20 मैच में तिलक वर्मा की नाबाद 72 रन की पारी से भारत को 2 विकेट से जीत मिली।

भारत की ये जीत काफी अहम रही जिससे उसे इंग्लैंड पर 2-0 से बढ़त मिली। इस मैच में तिलक वर्मा की बल्लेबाजी कमाल की रही और खासतौर पर वो जिस परिस्थिति में खेले उससे जाहिर होता है कि वो कितने परिपक्व हैं। 22 साल के तिलक ने अपनी इस पारी से जाहिर कर दिया कि वो किसी भी कंडीशन में खेल सकते हैं। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में तिलक ने अपनी पारी के दौरान उन गेंदबाजों को काफी संभलकर खेला जो उनका विकेट ले सकते थे तो वहीं उन गेंदबाजों पर आक्रमण किया जिस पर वो रन बना सकते थे। उनकी इस धैर्यभरी पारी से भारत ना सिर्फ मुश्किल परिस्थिति से बाहर आया बल्कि मैच जीत भी गया।

ऑस्ट्रेलियन ओपनः महिला एकल विजेता मैडिसन कीज विश्व रैंकिंग में शीर्ष 10 में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। कीज ने शनिवार को शीर्ष रैंकिंग पर काबिज आर्यना सबालेंका पर तीन सेट की जीत के साथ अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता। इससे वह सात स्थान की छलांग लगाकर सातवें स्थान पर पहुंच गई हैं जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है।

ऑस्ट्रेलियन ओपन में महिला एकल का खिताब जीतने वाली मैडिसन कीज ने सोमवार को जारी डब्ल्यूटीए विश्व रैंकिंग में अपनी सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल करते हुए फिर से शीर्ष 10 में जगह बना ली। वहीं, पुरुष वर्ग के विजेता यानिक सिनर ने एटीपी सूची में अपनी महत्वपूर्ण बढ़त बनाए रखी।

फाइनल में कीज ने सबालेंका को हराया

कीज ने शनिवार को शीर्ष रैंकिंग पर काबिज आर्यना सबालेंका पर तीन सेट की जीत के साथ अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता। इससे वह सात स्थान की छलांग लगाकर सातवें स्थान पर पहुंच गई हैं जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। कीज महिला वर्ग में शीर्ष 10 में जगह बनाने वाली

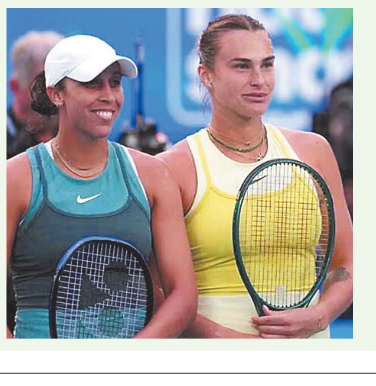

अमेरिका की चौथी खिलाड़ी है। उनके अलावा कोको गॉफ (नंबर तीन), जेसिका पेगुला (नंबर छह) और एम्मा नवारो (नंबर नौ) शीर्ष 10 में शामिल अन्य अमेरिकी खिलाड़ी हैं। सबालेंका ऑस्ट्रेलियाई ओपन में खिताब की हैट्रिक पूरी नहीं कर पाई लेकिन वह नंबर एक पर बनी हुई हैं। उनके बाद इगा स्वियातेक का नंबर आता है जो सेमीफाइनल में कीज से हार गई थी।

ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता झेंग क्विनवेन तीन स्थान गिरकर आठवें स्थान पर खिसक गई है जबकि पाओला बडोसा मेलबर्न पार्क में सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद दो स्थान ऊपर चढ़कर शीर्ष 10 में पहुंच गई। पुरुषों के वर्ग में चोटी के चार खिलाड़ियों की रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं हुआ है। पिछले साल जून से नंबर एक पर काबिज सिनर इस स्थान पर बने हुए हैं जबकि फाइनल में उनसे हारने वाले अलेक्जेंडर ज्वेरेव दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। उनके बाद कार्लोस अलकराज और टेलर फ्रिट्ज का नंबर आता है।

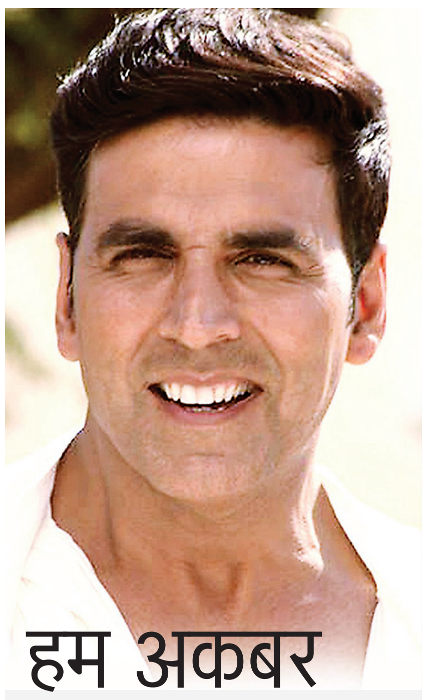

हम अकबर औरंगजेब के बारे में पढ़ते हैं लेकिन...

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने हाल ही में एक इंटरव्यू में इतिहास की किताबों में सुधार की जरूरत पर जोर दिया। वह अपनी नई फिल्म स्काई फोर्स के प्रमोशन के दौरान इस मुद्दे पर बात कर रहे थे। अक्षय ने कहा कि इतिहास की किताबों में भारतीय सैनिकों की वीरता की कहानियों को भी शामिल किया जाना चाहिए, क्योंकि अक्सर हमें अकबर और औरंगजेब जैसी शख्सियतों के बारे में पढ़ने को मिलता है, लेकिन हमारे असली नायक, जिनकी बहादुरी ने देश को बचाया है, उनकी कहानियां नदारद रहती हैं।

जानबूझकर चुनता हूं ऐसी कहानियां

एक इंटरव्यू के दौरान अक्षय ने कहा, हमारी किताबों में बहुत सारी चीजें नहीं हैं। मैं जानबूझकर उन किरदारों को चुनता हूं जो हमारी किताबों का हिस्सा नहीं हैं। मैं यही करना चाहता हूं। ये सभी अनजाने नायक हैं। उन्होंने यह भी कहा कि लोग इन नायकों के बारे में इसलिए नहीं जानते, क्योंकि कोई भी इनकी कहानी को गहराई से नहीं खोजता। अक्षय ने कहा, मैं इस प्रकार के किरदारों को चुनता हूं, क्योंकि ये कहानियां बहुत महत्वपूर्ण हैं।

इतिहास की किताबों में सुधार की जरूरत

अक्षय ने आगे कहा, इतिहास की किताबों में कई चीजें सुधारने की जरूरत है। हमें अकबर और औरंगजेब के बारे में तो पढ़ने को मिलता है, लेकिन हमारे खुद के नायकों के बारे में नहीं। इनका नाम भी किताबों में होना चाहिए। अभिनेता ने उन बहादुर सैनिकों का भी उल्लेख किया, जिन्हें परम वीर चक्र जैसे सम्मान मिले हैं। उन्होंने कहा कि उनकी साहसिक कहानियों को भी महत्व देना चाहिए। अक्षय ने कहा हमारे पास सेना से जुड़ी बहुत सारी कहानियां हैं, जिनमें से कई सैनिकों को परम वीर चक्र मिला है। मुझे लगता है कि इतिहास को ठीक करने की जरूरत है। साथ ही, ऐसे ही नायकों की कहानियां नई पीढ़ी को बताई जानी चाहिए।

केओ आहूजा के किरदार में दिखेंगे अक्षय

फिल्म स्काई फोर्स में अक्षय कुमार विंग कमांडर केओ आहूजा का किरदार निभा रहे हैं, जो भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर ओम प्रकाश तनेजा पर आधारित है। 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान ओम प्रकाश तनेजा ने दुश्मन के विमान और रनवे को नष्ट करके वीरता का परिचय दिया था, जिसके लिए उन्हें वीर चक्र से सम्मानित किया गया था।

ये सितारे भी फिल्म में हैं मौजूद

फिल्म में अक्षय के साथ वीर पहाडिया, निम्रत कौर और सारा अली खान भी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म का निर्देशन अभिषेक अनिल कपूर और संदीप केवलानी ने किया है। यह फिल्म 24 जनवरी को रिलीज होने जा रही है।

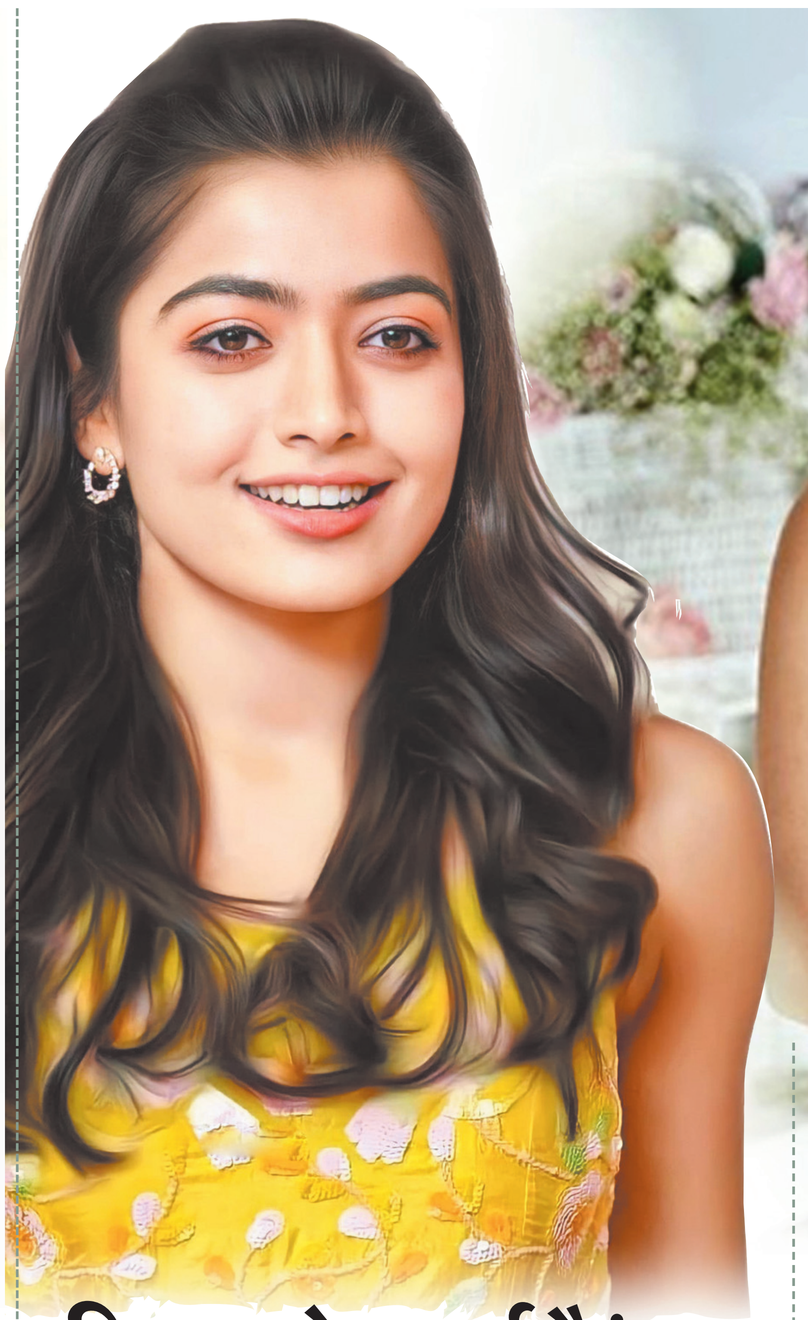

रश्मिका ने बढ़ाई फैंस की टेंशन, क्या 'छावा' के बाद ले लेंगी संन्यास?

रश्मिका मंदाना और विक्की कौशल की फिल्म 'छावा' का ट्रेलर रिलीज हुआ। सोशल मीडिया पर फिल्म के ट्रेलर ने तहलका मचा दिया। ट्रेलर लॉन्च में नजर आने के बाद अभिनेत्री ने कहा कि वह इस प्रोजेक्ट से इतनी खुश हैं कि वह खुशी-खुशी रिटायर हो सकती हैं।

मैं रिटायर भी हो सकती हूं

ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान रश्मिका ने फिल्म और अपने किरदार को लेकर अपना अनुभव साझा किया। अभिनेत्री ने इस दौरान फैंस को हैरान करने वाली बात कह दी। फिल्म की प्रशंसा करते हुए रश्मिका ने हंसते हुए कहा, मैं अभी निर्देशक लक्ष्मण सर से बात कर रही थी, मुझे लगता है कि इस रोल के बाद तो मैं रिटायर भी हो सकती हूं। अभिनेत्री ने कहा कि महारानी यसुबाई का किरदार निभाना किसी प्रिविलेज से कम नहीं। फिल्म और इसके ट्रेलर के बारे में और बात करते हुए, रश्मिका ने कहा, इस ट्रेलर को देखकर मेरा दिल भर आया, विक्की ने जो किया उसे देखकरज्वह लगभग भगवान जैसे दिखते हैं...वह छावा हैं। यह अविश्वसनीय है।

चोटिल पैर के साथ ट्रेलर लॉन्च इवेंट में पहुंचीं अभिनेत्री

रश्मिका हाल ही में जिम में ट्रेनिंग करते हुए चोटिल हो गई थीं। अभिनेत्री 'छावा' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में अभिनेत्री अपने चोटिल पैर के साथ पहुंचीं, जिसके बाद वह सुर्खियों में आ गईं। इस दौरान विक्की कौशल ने उन्हें स्टेज पर चढ़ने में मदद की, जिसके बाद फैंस उनकी तारीफ करने लगे।

छावा एक ऐतिहासिक एक्शन फिल्म है, जिसमें विक्की कौशल मुख्य भूमिका में हैं, जो मराठा राजा छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर केंद्रित है। यह फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज की मृत्यु के बाद उनके जीवन की घटनाओं को दर्शाती है। फिल्म में रश्मिका मंदाना ने महारानी येसुबाई की भूमिका निभाई है। उनके अलावा, फिल्म में आशुतोष राणा, दिव्या दत्ता, विनीत कुमार सिंह, डायना पेंटी और कई अन्य कलाकार भी शामिल हैं।

रश्मिका मंदाना वर्क फ्रंट

रश्मिका मंदाना के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह धनुष और नागार्जुन अक्किनेनी स्टारर 'कुबेर' में भी मुख्य भूमिका निभाने वाली हैं। इसके अलावा वह सलमान खान के साथ 'सिकंदर' में भी नजर आएंगी।

क्यों साउथ की फिल्में नहीं करना चाहती हैं सामंथा

सामंथा रुथ प्रभु की आखिरी बार विग्नेश शिवन की तमिल फिल्म काथुवाकुला रेंदु काधल में देखा गया था। इसके बाद वह बॉलीवुड वेब सीरीज सिटाडेल हनी बनी में नजर आईं। लेकिन सामंथा को जाने क्या हो गया है कि वह अब साउथ की फिल्में नहीं करना चाहती हैं। हालांकि, उनकी फिल्म रक्त ब्रह्मांड चर्चा में जरूर है। सामंथा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म रक्त ब्रह्मांड को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। सामंथा रूथ प्रभु की पिछले साल सिटाडेल हनी बनी आई थी। इस सीरीज में सामंथा बॉलीवुड अभिनेता वरुध धवन के साथ जमकर एक्शन करती नजर आईं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार एक इंटरव्यू में, सामंथा ने खुलासा किया कि वह अपनी भूमिकाओं को लेकर काफी सेलेक्टिव रही हैं। यही वजह है कि वह ऐसी भूमिकाओं को टाल रही हैं, जो उन्हें चुनौती नहीं देती हैं। सामंथा ने तमिल फिल्में साइन ना करने का कारण बताते बुए कहा, कई फिल्में करना आसान है, लेकिन मुझे लगता है कि मैं अपने जीवन के उस मुकाम पर हूं, जहां हर फिल्म को ऐसा महसूस होना चाहिए कि यह आखिरी है। फिल्म में उस तरह का प्रभाव होना चाहिए। यही वजह है कि मैं खुद को इस तरह क की फिल्म करने के लिए तैयार नहीं कर सकती। सामंथा की आखिरी तमिल फिल्म 2022 की काथुवाकुला रेंडु काधल थी। सामंथा ने द फैमिली मैन 2, सिटाडेल- हनी बनी के साथ कई प्रोजेक्ट पर काम किया है और हाल ही में, वह रक्त ब्रह्मांड में दिखाई देने वाली हैं। सामंथा का कहना है कि इन प्रोजेक्ट में उन्हें कुछ अनोखा करने का मौका मिला। उन्होंने कहा, अच्छे कारण से वे (राज और डीके) ही हैं, जिन्होंने मुझे अधिक से अधिक चुनौतियों की चाहत के साथ बिगाड़ा है। जब मैं हर दिन काम पर जाती हूं, तो एक अभिनेता के रूप में किसी भूमिका को इतना अधिक देना बेहद संतोषजनक होता है। और अगर मुझे हर दिन वह एहसास नहीं होता है, तो मैं काम पर नहीं जाना चाहती।

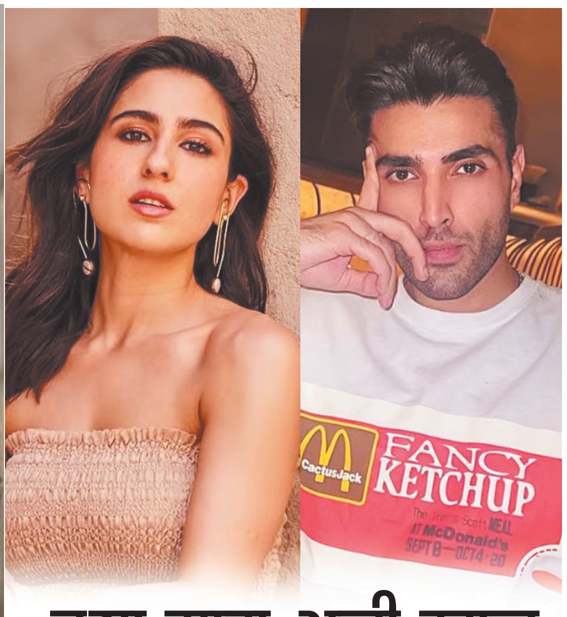

क्या सारा अली खान को डेट कर रहे हैं अर्जुन प्रताप बाजवा?

सारा अली खान की लव लाइफ तब से चर्चा में है, जब से उन्होंने सुशांत सिंह राजपूत के साथ केदारनाथ में डेब्यू किया था। पिछले साल उनके अभिनेता और मॉडल अर्जुन प्रताप बाजवा के साथ डेटिंग करने की अफवाह उड़ी थी। उन्हें केदारनाथ में उनके साथ देखा गया था। अब, एक साल बाद अर्जुन ने डेटिंग अफवाहों पर टिप्पणी करते हुए कहा, लोगों को जो लिखना है, वे लिखेंगे।

डेटिंग की अफवाह पर बोले प्रताप बाजवा

हाल ही में एक साक्षात्कार में अर्जुन ने चल रहीं अफवाहों पर प्रतिक्रिया व्यक्त की और कहा कि यह उनका काम है, जबकि वह सिर्फ खुद पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, तो, लोगों को जो भी लिखना है, वे लिखेंगे। यह उनका काम है। वे अपना काम कर रहे हैं। मैं सिर्फ अपने आप पर और मुझे क्या करना है, इस पर ध्यान केंद्रित करता हूं और यह वास्तव में मुझे परेशान नहीं करता है। इस बीच सारा ने अभी तक डेटिंग अफवाहों पर प्रतिक्रिया नहीं दी है।

कौन हैं प्रताप बाजवा

प्रताप बाजवा पंजाब में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ सदस्य और राजनीतिज्ञ फतेह सिंह बाजवा के बेटे हैं। वह सिंह इज ब्लिंग में सहायक थे और उन्होंने बैंड ऑफ महाराजा फिल्म में काम किया है। अभिनेता और मॉडल होने के अलावा, वह फिटनेस के भी शौकीन हैं। वह एक प्रशिक्षित एमएमए फाइटर हैं।

सारा अली खान की फिल्म

इस बीच सारा अली खान वीर पहाड़िया के साथ अपने पिछले रिलेशनशिप की अफवाहों के कारण चर्चा में हैं। दोनों ने हाल ही में रिलीज हुई फिल्म स्काई फोर्स में एक साथ काम किया था, जिसमें उन्होंने एक-दूसरे के पति-पत्नी का किरदार निभाया था। दर्शकों द्वारा उनकी शानदार केमिस्ट्री की तारीफ की जा रही है।

वीर पहाड़िया ने स्काईफोर्स के लिए ली जान्हवी कपूर से सलाह

फिल्म स्काईफोर्स में वीर पहाड़िया बॉलीवुड में अपना डेब्यू कर रहे हैं। वीर अपने इंडस्ट्री के दोस्तों और करीब परिवार जान्हवी कपूर से टिप्स लेते रहते हैं। उन्होंने इस बारे में अब खुलकर बात की है। उभरते हुए अभिनेता ने अपने भाई की गर्लफ्रेंड से टिप्स लेने की बात स्वीकार की और कहा मैं उनसे कोई भी सलाह मांगने का मौका नहीं छोड़ता। उन्होंने कहा, मेरे सभी दोस्त अभिनेता हैं, मैं उनसे कोई भी सलाह लेने का मौका नहीं छोड़ता। और वह काफी अनुभवी हैं। तो हां, मैंने तो कई सारी चीजों को लेकर बात की है। अपनी आगामी फिल्म स्काईफोर्स को लेकर वीर पहाड़िया ने बात की है। उन्होंने कहा कि फिल्म गुंजन सक्सेना में भी जान्हवी ने एक कारगिल गर्ल का किरदार निभाया है, ठीक वैसे ही आगामी एक्शन फिल्म निभाने जा रहे हैं। इसके लिए उन्होंने जान्हवी कपूर से सलाह ली थी।

वीर पहाड़िया आगे कहते हैं, 'स्क्वाड्रन लीडर अज्जामद बोपय्या देवय्या का किरदार निभाने को लेकर मैं डर हुआ था।

कभी चाय बेचकर रोजाना 50 रुपये कमाए, अब फिल्म के लिए ली 200 करोड़ की फीस

पैन इंडिया फिल्म केजीएफ ने साउथ अभिनेता यश को भारत ही नहीं, बल्कि दुनियाभर में पहचान दिलाई। वह इस फिल्म से पैन इंडिया पैन इंडिया स्टार भी बना दिया। केजीएफ के बाद इसके दूसरे भाग ने तो दर्शकों के बीच यश की लोकप्रियता को आसमान तक पहुंचा दिया। दोनों फिल्मों ने कुल मिलाकर 1500 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की, जो अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली कन्नड़ फिल्मों में से एक है। इस सफलता ने यश को सुपरस्टार के रूप में स्थापित किया, लेकिन यहां तक पहुंचना यश के लिए आसान नहीं था। एक साधारण बस ड्राइवर के बेटे के रूप में शुरुआत करने वाले यश ने सफलता के लिए लंबा सफर तय किया। जब यश की उम्र सिर्फ 16 साल थी, तब उन्होंने अपने माता-पिता को घर छोड़ने और सिनेमा में अपना सपना पूरा करने के लिए मना लिया था। उन्हें एक कन्नड़ फिल्म में सहायक निर्देशक के तौर पर काम पर रखा गया था। हालांकि, बैंगलोर पहुंचने के दो दिन बाद ही इस प्रोजेक्ट को बंद कर दिया गया। इस बारे में बात करते हुए अभिनेता ने कहा, मैं अपने घर से भाग गया। जब मैं बेंगलुरु आया तो मैं पहुंचते ही डर गया। इतना बड़ा, डराने वाला शहर, लेकिन मैं हमेशा से ही एक आत्मविश्वासी लड़का था। मैं संघर्ष करने से नहीं डरता था। जब मैं बेंगलुरु पहुंचे, तो मेरी जेब में सिर्फ 300 रुपये थे। मुझे पता था कि अगर मैं वापस गया तो मेरे माता-पिता मुझे कभी यहां वापस नहीं आने देंगे।

ऐसे शुरू हुआ यश का फिल्मी सफर

यश के पास सिर्फ 300 रुपये थे और वह बेनका ड्रामा ट्रूप में शामिल हो गए। यहां वह बैकस्टेज हैंड के तौर पर काम करते थे। यहां वह चाय परोसने जैसे छोटे-मोटे काम करते थे और 50 रुपये प्रतिदिन कमाते थे। थिएटर में अपनी कला को निखारने के साथ-साथ यश ने कॉलेज में भी दाखिला लिया। आखिरकार, उन्हें टीवी सीरीज नंदा गोकुला में अभिनय का मौका मिला, जहां उनकी मुलाकात अभिनेत्री राधिका पंडित (अब पत्नी) से हुई। 2007 में, यश ने रॉकी (2008) में मुख्य भूमिका निभाने से पहले, जांबाडा हुडुगी में सहायक भूमिका के साथ फिल्मों में कदम रखा।

कई हिट फिल्मों में काम कर चुके हैं यश

आखिरकार यश को मोडालासाला में रोमांटिक कॉमेडी के साथ एक प्रमुख स्टार के रूप में सफलता मिली। अगले वर्ष उन्होंने किराटका की सफलता के साथ खुद को एक बैंकेबल स्टार के रूप में स्थापित किया। अगले कुछ वर्षों में उन्होंने मोगिना मनासु, ड्रामा, गुगली, मिस्टर एंड मिसेज रामचारी और मास्टरपीस जैसी हिट फिल्में दीं।

केजीएफ से मिला स्टारडम

2018 में यश ने केजीएफ- चैप्टर 1 में अभिनय किया, जिसने 250 करोड़ की कमाई करके बॉक्स ऑफिस के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। यह अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली कन्नड़ फिल्म थी। यह रिकॉर्ड चार साल तक कायम रहा। उसके बाद केजीएफ- चैप्टर 2 ने 1250 करोड़ रुपये की शानदार कमाई करके इसे तोड़ दिया। यह फिल्म अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्मों में से एक है और 1000 करोड़ रुपये से ज़्यादा की कमाई करने वाली इकलौती कन्नड़ फिल्म है। कन्नड़ सिनेमा से बाहर भी यश की दुनिया केजीएफ से मिले नेशनल स्टारडम ने यश को कन्नड़ सिनेमा से बाहर निकलने में मदद की।

स्पर्श श्रीवास्तव निभाएंगे नेगेटिव रोल

एनसी24 में नागा चैतन्य के साथ लापता लेडीज के अभिनेता नजर आने वाले हैं। लेकिन इस बार वह किसी हीरो के किरदार में नहीं बल्कि एक विलेन के रोल में नजर आएंगे। आइए जानते हैं यहां किस अभिनेता की बात हो रही है। नवंबर 2024 में, आधिकारिक तौर पर घोषणा की गई कि थंडेल अभिनेता नागा चैतन्य और विरुपाक्ष निर्देशक कार्तिक वर्मा दंडू ने एक अखिल भारतीय रहस्यवादी थ्रिलर के लिए हाथ मिलाया है, जिसका शीर्षक अस्थायी रूप से एनसी 24 रखा गया है। फिल्म अभी प्री-प्रोडक्शन चरण में है। जानकारी के अनुसार, कथित तौर पर इस फिल्म में लापता लेडीज में अपनी भूमिका के लिए मशहूर अभिनेता स्पर्श श्रीवास्तव को खलनायक की भूमिका के लिए चुना गया है।

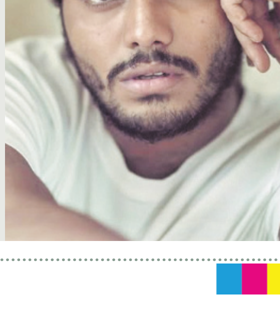

जनवरी
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
मधुसूदन प्रसाद श्रीवास्तव
मध्य विद्यालय सतपिपरा

जनवरी
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
देवानन्द प्र० शर्मा
मुखिया, पंचायत- रामगढ़वा

जनवरी
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
अभिषेक आनंद
थानाध्यक्ष, आबकारी थाना, रक्सौल

जनवरी
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
कन्हैया कुमार
तकनीकी सहायक, मनरेगा प्रखंड- तुरकौलिया

जनवरी
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
उर्मिला देवी
मुखिया, पंचायत बैरिया

जनवरी
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
सिवचंद्र यादव
मुखिया, पंचायत शिवनगर इनारावा

जनवरी
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
सुनीता कुमारी
किसान सलाहकार, सोनबरसा, हरसिद्धि

जनवरी
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
बिनोद कुमार
पंचायत समिति, जैतापुर पंचायत

जनवरी
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
सीमा देवी
पंचायत समिति सदस्य बीजलपुर 04, प्रखंड-तुरकौलिया

जनवरी
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
मोहन स्वर्णकार
मां जानकी ज्वेलर्स, घोड़ासहन, वीरता चौक, पूर्वी चम्पारण।

जनवरी
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
कृष्णनंदन पासवान
गन्ना उद्योग मंत्री- बिहार सरकार

जनवरी
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
अमरजीत कु. सिंह
थानाध्यक्ष, रामगढ़वा

जनवरी
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
शशिभूषण सिंह
राजद विधायक, सुगौली, विधानसभा

जनवरी
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
इम्तेयाजुल हक
प्रधानाध्यापक- उत्क्रमित मध्य विद्यालय, कटगेन्वा भवानीपुर, आदापुर

जनवरी
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
रंजीत सिंह
सामाजिक कार्यकर्ता सह- मुखिया पति पंचायत, सिंगासनी

जनवरी
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
श्रीमती जानकी देवी
मुखिया, पंचायत- मुड़ला

जनवरी
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
लोहा पाण्डेय उर्फ पंकज पाण्डेय
प्रदेश महासचिव, लोजपा

जनवरी
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
वेद प्रकाश कुशवाहा
मुखिया पति, ग्राम पंचायत राज यादोपुर, हरसिद्धि

जनवरी
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
डॉ. नितेश ध्वज सिंह
चिकित्सा पदाधिकारी, पी एच सी रामगढ़वा

जनवरी
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं
टेंगर ठाकुर
पं० स० स० - मंगलपुर पटनी, पंचायत